DE GROUP
We Define Estate

Gandivaranchi
बिरसा का गांडीव

injection.care
PHARMACY
+91 95070 00009 | injection.care

रांची, पौष, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 2082 | शनिवार, 03 जनवरी 2025, मूल्य: ₹2, वर्ष : 7, अंक: 49 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

अमेरिका ने वेनेजुएला पर किया हमला, राष्ट्रपति को पकड़ा, पत्नी भी अमेरिकी सैनिकों के कब्जे में

ट्रम्प बोले- पत्नी के साथ विदेश भाग रहे थे वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो

GANDIV REPORTER

काराकस। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया है। ट्रम्प ने कहा कि वे देश छोड़ कर भाग रहे थे, लेकिन अमेरिकी सैनिकों ने उन्हें अरेस्ट कर लिया। अमेरिका ने शनिवार रात को वेनेजुएला की राजधानी काराकस समेत 4 शहरों को निशाना बनाया है। इनमें काराकास के अलावा मिरांडा, अरागुआ और ला ग्वायरा शामिल हैं। अमेरिका ने इन राज्यों के सैन्य ठिकानों पर 7 हवाई हमले किए। पहला हमला स्थानीय समय के मुताबिक रात करीब 2 बजे हुआ। अमेरिकी मीडिया न्यूज के मुताबिक ट्रम्प ने वेनेजुएला के अंदर सैन्य सुविधाओं और कई खास जगहों पर हमले का आदेश दिया था।

हमले के एक वायरल वीडियो में शहर के ऊपर कम ऊंचाई से गुजरते करीब 10 हेलिकॉप्टर नजर आए। रॉयटर्स के मुताबिक, शहर के कई इलाकों में तेज आवाजें सुनी गईं। बाद में यहां बिजली गुल हो गई। वहीं राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के कार्यालय

ने वेनेजुएला में आपातकाल की घोषणा कर दी है। खबर फैलते ही, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा कि निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया गया है और वेनेजुएला से बाहर ले जाया गया है। ट्रंप ने कहा कि वह फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो आवास से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। वेनेजुएला के पड़ोसी देशों सहित कई देशों ने वेनेजुएला पर अमेरिकी हमलों की निंदा की।

राजधानी में विस्फोटों से मचे बवाल के तुरंत बाद, राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने ट्रंप प्रशासन द्वारा की गई सैन्य आक्रामकता को खारिज करते हुए देश में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर दी। वेनेजुएला गणराज्य, बोलिवेरियन गणराज्य, संयुक्त राज्य अमेरिका की वर्तमान सरकार द्वारा किए गए अत्यंत गंभीर सैन्य आक्रमण को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष अस्वीकार करता है, उसकी निंदा करता है और उसे अस्वीकार करता है। वेनेजुएला सरकार ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह कृत्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन है। बयान में आगे कहा गया कि इस हमले का उद्देश्य वेनेजुएला के रणनीतिक संसाधनों, विशेष रूप से तेल और खनिजों पर कब्जा करना और देश की राजनीतिक स्वतंत्रता को जबरन भंग करने का प्रयास करना है। पिछले साल अक्टूबर में, राष्ट्रपति ट्रम्प ने खुलासा किया था कि उन्होंने सीआईए को वेनेजुएला में अवैध मादक पदार्थों के व्यापार पर अंकुश लगाने और प्रवासियों के प्रवाह को रोकने के लिए काम करने का अधिकार दिया था। अमेरिका में मादुरो पर नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद के आरोप हैं। पिछले हफ्ते, सीआईए ने वेनेजुएला के ड्रग कार्टेल द्वारा कथित तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले एक डॉकिंग स्थल पर ड्रोन हमला किया, जो सितंबर में जहाजों पर हमले शुरू होने के बाद वेनेजुएला की धरती पर पहला पुष्ट अमेरिकी अभियान था।

हमले की अमेरिकी सांसदों ने आलोचना की

वेनेजुएला पर हमले के बाद अमेरिका के डेमोक्रेटिक सांसद ने इसकी निंदा की है। एरिजोना से अमेरिकी सीनेटर रुबेन गाल्गो ने एक्स पर लिखा कि यह जंग गैरकानूनी है। गाल्गो यू.एस. मरीन कोर के पूर्व सैनिक हैं और इराक में तैनात रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह इराक के बाद दूसरी बिना वजह की लड़ाई है। यूटा से रिपब्लिकन सीनेटर माइक ली (यूटा) ने भी अमेरिकी हमले की आलोचना की है। उन्होंने एक्स पर लिखा, मैं यह जानने के लिए इंतजार कर रहा हूं कि बिना युद्ध की घोषणा या सैन्य बल के इस्तेमाल की अनुमति के, इसे संविधान के तहत कैसे सही ठहराया जा सकता है। पिछले कुछ महीनों में कांग्रेस के डेमोक्रेट और कुछ रिपब्लिकन सांसद कई प्रस्ताव पेश कर चुके हैं जो अमेरिका को संसद की मंजूरी के बिना वेनेजुएला पर हमला करने से रोकते।

नक्सलियों पर काल बनकर टूट पड़े सुरक्षाबल

छत्तीसगढ़ में 14 नक्सली ढेर

सुकमा में 12, बीजापुर में 2 मारे गए, देवा का 20 नक्सलियों समेत सरेंडर

GANDIV REPORTER

बस्तर। नये साल की तीसरे दिन छत्तीसगढ़ में शनिवार सुबह दो अलग-अलग जगहों पर मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 14 से ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया है। सुकमा के किस्टाराम इलाके में 12 और बीजापुर में 2 नक्सली मारे जाने की खबर है। सभी के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। इसके साथ सुरक्षा के लिहाज से इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है और दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग हो रही है।

छत्तीसगढ़ का मोस्ट वांटेड नक्सली स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर देवा बारसे ने हैदराबाद में 20 नक्सलियों के साथ सरेंडर कर दिया है। हैदराबाद पुलिस दोपहर 3 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसके बारे में जानकारी देगी। देवा अपने साथियों के साथ तेलंगाना के मुलुगु पहुंचा था, जहां से पुलिस उसे हैदराबाद लेकर पहुंची। सुकमा के किस्टाराम इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी के इनपुट पर डीआरजी की टीम को भेजा गया था। इस दौरान शनिवार सुबह करीब 5 बजे नक्सलियों ने फायरिंग करनी शूरू कर दी और जवाबी कार्रवाई में 12 नक्सलियों को ढेर कर दिया।

सभी के शव और हथियार बरामद कर लिए हैं। माओवादियों के साथ रुक-रुककर

मुठभेड़ चल रही है। सर्च ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ स्थल से नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दावा है कि मार्च 2026 देश को पूरी तरह नक्सलमुक्त कर दिया जाएगा। मोदी सरकार ने आदिवासी बहुल राज्यों में विकास का मजबूत करने की प्रक्रिया को तेज कर दिया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा देश से नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मार्च 2026 की समय सीमा तय किए जाने के बाद से सुरक्षाबलों के ऑपरेशनों में जबरदस्त तेजी आई है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में छत्तीसगढ़ में कुल 503 नक्सली मारे जा चुके हैं। 2025 में 284 नक्सली ढेर हुए हैं, जिनमें से 255 अकेले बस्तर क्षेत्र के हैं। 2024 में राज्य में कुल 219 नक्सली मारे गए थे।

एक साल की बच्ची व उसकी मां ने एक दूसरे की बाहों में तोड़ा दम

देवघर में दिल दहला देने वाली घटना, पुलिस जांच में जुटी

GANDIV REPORTER

देवघर। पदमपुरा गांव में शनिवार की सुबह इंसानियत को झकझोर देने वाला मंजर सामने आया। 25 वर्ष की गुड़िया देवी और उसकी महज एक साल की बच्ची दोनों की जिंदगी एक ही कुएं में खत्म हो गई। जिस मां की गोद में बच्ची को दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह मिलनी चाहिए थी, वही गोद उसकी आखिरी शरण बन गई।

शनिवार की सुबह जैसे ही गांव वालों को घटना की जानकारी मिली, कुएं के पास लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। गांव में सन्नाटा था, आंखें नम थीं और हर चेहरा सवाल पूछ रहा था-आखिर एक मां को अपनी मासूम बच्ची के साथ मौत चुनने पर किसने मजबूर किया? काफी मशक्कत के बाद जब कुएं से मां-बेटी के शव निकाले गए, तो वहां मौजूद लोग खुद को संभाल नहीं पाए। मासूम बच्ची मां की छाती से लिपटी हुई थी, मानो आखिरी पल तक मां का सहारा ढूंढ रही हो।

घटना की खबर मिलते ही मृतका के मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और मृतक महिला के पति विष्णु यादव एवं ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए। मृतका के भाई उपेंद्र यादव ने कहा कि गुड़िया देवी लंबे समय से घरेलू हिंसा का शिकार थी। पति द्वारा मारपीट, पैसे और गाड़ी की मांग आम बात थी। विरोध करने पर बेटी को मार देने की धमकी तक दी जाती थी। उन्होंने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि साजिशन हत्या बताया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जसीडीह थाना प्रभारी दीपक कुमार और एसडीपीओ अशोक सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है, लेकिन मायके पक्ष के आरोपों के आधार पर जांच की बात कही है।

दो जनवरी को था बच्ची का जन्मदिन

मौके पर पहुंचे पदाधिकारी ने बताया कि 2 जनवरी को बच्ची का जन्मदिन था और उसी को लेकर पति-पत्नी में विवाद हुआ था, लेकिन पुलिस और भी सबूत के आधार पर पूछताछ कर रही है। फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ससुराल पक्ष और आसपास के लोगों से पूछताछ जारी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि मां-बेटी की मौत एक मजबूरी थी या किसी ने उन्हें इस अंधेरे कुएं में धकेल दिया। पदमपुरा गांव शोक में डूबा हुआ है। एक मां और उसकी मासूम बच्ची के जाने के बाद गांव के हर घर में एक ही सवाल गूंज रहा है, क्या किसी की लालच और क्रूरता इतनी बड़ी हो सकती है कि वह मातृत्व तक को निगल जाए?

संदेशखाली में फिर बवाल, ईडी के बाद अब पुलिस टीम पर हमला

वाहनों में तोड़फोड़ के बाद बनाया बंधक

GANDIV REPORTER

संदेशखाली। संदेशखाली एक बार फिर सुर्खियों में है। पिछले साल इडी पर हमले के बाद, अब वहां एक आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला हुआ है। पुलिस पर हमला करने, उनके वाहनों में तोड़फोड़ करने और उन्हें बंधक बनाकर रखने के आरोप लगे हैं। खबर है कि इस हमले में एक पुलिस अधिकारी और तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

सूचना मिलते ही राजबाड़ी चौकी से भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद चलाए गए तलाशी अभियान में मुख्य आरोपी मूसा मोल्ला समेत नौ लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने इस हमले में भूमिका की जांच के लिए बोयलमारी नंबर 2 ग्राम पंचायत के तृणमूल प्रमुख को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। इस घटना के बाद संदेशखाली के नजत

स्थित हुलोपाड़ा इलाके में तनाव व्याप्त है।

बशीरहाट जिला पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी मूसा मोल्ला अदालत के आदेश का पालन नहीं कर रहा था। इसलिए उसे थाने में पेश होने के लिए नोटिस भेजा गया था, लेकिन उसने समन का कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद पुलिस की एक टीम आरोपी को पकड़ने के लिए हुलोपाड़ा पहुंची। तभी मूसा ने अपने साथियों को बुलाया और हमला कर दिया।

जयपाल सिंह मुंडा ने आदिवासी अस्मिता, अधिकार की आवाज को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया : मुख्यमंत्री

GANDIV REPORTER

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने दूरदर्शी आदिवासी नेता जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा ने आदिवासी अस्मिता, अधिकार और स्वशासन की आवाज को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया। वे केवल एक महान खिलाड़ी नहीं, बल्कि संविधान सभा में आदिवासियों की गरिमा और अधिकारों के सबसे मुखर प्रहरी थे।

सीएम ने आगे कहा कि आदिवासी कोई पिछड़ा नहीं, बल्कि सबसे पहले इस देश के

नागरिक हैं। यह चेतना उनके विचार और संघर्ष की धुरी थी। जल, जंगल और जमीन पर आदिवासी समाज का अधिकार सुनिश्चित करना उनका सपना था। उनका जीवन आज भी हमें न्याय, आत्मसम्मान और आदिवासी

स्वशासन के लिए संघर्ष का साहस देता है।

वहीं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के स्वर्णिम सफर की शुरूआत अपने नेतृत्व में करने वाले पूर्व कप्तान, संविधान सभा के सदस्य और प्रखर राजनीतिक चिंतक जयपाल सिंह मुंडा को सादर नमन।

सीएम ने सावित्रीबाई फुले को किया याद

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सावित्रीबाई फुले की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे एक साहसी समाज सुधारक थीं, जिन्होंने शिक्षा को सामाजिक समानता की सबसे बड़ी ताकत बनाया। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने केवल शब्दों से नहीं, बल्कि अपने जीवन के संघर्ष से समानता और न्याय का अर्थ समझाया।

सीएम ने आगे कहा कि उस दौर में, जब महिलाओं और वंचित वर्गों को जानबूझकर पीछे रखा जाता था, सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा के माध्यम से उन्हें आत्मसम्मान और अधिकारों की चेतना दी। शोषितों के साथ खड़ा होना उनका कर्तव्य था और भेदभाव के खिलाफ संघर्ष उनकी पहचान। उनका जीवन आज भी न्याय, संवेदना और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प देता है।

झारखंड में सुबह ठंड, दोपहर में राहत

प्रमुख शहरों का तापमान स्थिर, कोहरे का असर जारी

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में सर्द सुबह और ठंड भरी रात का सिलसिला जारी है, जबकि दिन में धूप निकलने से थोड़ी राहत है। राजधानी रांची समेत राज्य के प्रमुख शहरों में अधिकतम तापमान 23 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 6 से 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। रांची का अधिकतम तापमान 22.8 डिग्री, जबकि न्यूनतम पारा 12.3 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। जमशेदपुर में अधिकतम 25.4 डिग्री और न्यूनतम 10.5 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 25.6 और न्यूनतम 8.3 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 25.1 और न्यूनतम 11.2 डिग्री और देवघर में अधिकतम 24.4 डिग्री और न्यूनतम 10.5 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है।

न्यूनतम तापमान में सुधार से राहत : मौसम केंद्र, रांची की ओर से 3 जनवरी को जारी रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा ठंड गुमला में 6.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। हालांकि गुमला में अधिकतम तापमान 23.6 डिग्री होने की वजह से दिन में लोगों को काफी राहत मिली है। गुमला जिले में धूप भी अच्छी निकल रही है। पूरे राज्य में दिन के वक्त सबसे ज्यादा सर्दी लातेहार में महसूस की जा रही है। क्योंकि वहां का अधिकतम तापमान 18.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री पहुंच गया है। वहीं चाईबासा में सबसे ज्यादा 26.8 डिग्री अधिकतम तापमान रिकॉर्ड हुआ है। शेष सभी जिलों में अधिकतम तापमान 21 डिग्री से 26 डिग्री के बीच है।

इन जिलों में घना कोहरे की संभावना मौसम केंद्र ने अगले 5 जनवरी तक के लिए राज्य के 11 जिलों में सुबह के वक्त घना कोहरा होने की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। इनमें गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ जिले शामिल हैं। 4 जनवरी को राज्य के उत्तरी भागों में घना कोहरा देखने को मिल सकता है।

किसानों के लिए सलाह

किसानों से आलू, सब्जियों और सरसों की फसल को बीमारी से बचाने के लिए उचित उपाय करने की सलाह दी गई है। कम तापमान और नमी के तनाव की वजह से होने वाले नुकसान से बचने के लिए सब्जियों में हल्के पानी के छिड़काव की जरूरत है। सब्जियों की नर्सरी को पॉलिथीन से कवर करने पर खराब अंकुरण से बचाव मिल सकता है।

मुरी-पदक विजेता वूशु खिलाड़ियों का ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

GANDIV REPORTER

सिल्ली। प्रखंड के रामपुर, गेड़ेबीर एवं बांसारुली के पदक विजेता वूशु खिलाड़ियों एवं कोच वाहिद अली का रामपुर पहुंचने पर ग्रामीणों ने फुल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। कोच वाहिद अली ने बताया कि विगत 24 से 38 दिसम्बर तक छत्तीसगढ़ के राजनंदगांव में आयोजित 9 वीं फेडरेशन कप नेशनल वूशु चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में बिरसा बिरसा मुंडा वूशु सेंटर सिल्ली के खिलाडियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7 पदक प्राप्त किये हैं। पदक विजेता खिलाड़ियों में लगाम निवासी सोनाली कुमारी ने तीन पदक प्राप्त किया जिसमें 1 स्वर्ण,1 रजत और 1 कांस्य, रामपुर निवासी फणिभूषण बेदिया और होलिका बेदिया ने 1-1 रजत पदक, रामपुर निवासी प्रतिमा बेदिया और बांसारुली निवासी अंजना महतो ने 1-1 कांस्य पदक जीता है। स्वागत करने वालों में

मुखिया हरिपद मांझी, किरण देवी, सहायक कोच त्रिलोचन बेदिया, मनोज भोगता समेत ग्रामीण शामिल थे।

नव वर्ष पर झारखंड की महिलाओं को सरकार का बड़ा तोहफा

मंईयां योजना के दिसंबर माह की राशि खातों में पहुंची

GANDIV REPORTER

रांची। नव वर्ष 2026 की शुरूआत झारखंड की लाखों महिलाओं के लिए खुशखबरी लेकर आई है। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत रांची जिले की महिलाओं को दिसंबर माह की सम्मान राशि का भुगतान कर उन्हें नव वर्ष का विशेष उपहार दिया है।

इस योजना के अंतर्गत रांची जिला की कुल 3 लाख 91 हजार 578 लाभुक महिलाओं के बैंक खातों में आधार आधारित डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से प्रति लाभुक 2,500 रुपये की दर से कुल 97 करोड़ 89 लाख 45 हजार रुपये की राशि हस्तांतरित की गई है।

इस भुगतान से जिले की महिलाओं को न सिर्फ आर्थिक सहयोग मिला है, बल्कि सरकार

की उस प्रतिबद्धता को भी बल मिला है। जिसके तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। दिसंबर माह की यह राशि सीधे लाभुकों के खातों में पहुंचने से पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है और किसी भी प्रकार की बिचौलिया व्यवस्था समाप्त हुई है। रांची जिले के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में योजना का व्यापक लाभ देखने को मिला है। सबसे अधिक लाभुक कांके प्रखंड से 31,676 रहे, जबकि सदर शहरी क्षेत्र में 24,892 महिलाओं को योजना का लाभ मिला। इसके अलावा मांडर प्रखंड में 23,239, सिल्ली में 21,312, बेड़ो में 20,696 और चान्हो में 19,813 लाभुकों के खातों में राशि भेजी गई। इसी तरह नगड़ी, रातू, ओरमांझी, तमाड़, बुढ़मू, सोनाहातू और नामकुम जैसे प्रखंडों में भी हजारों महिलाओं को सम्मान राशि का लाभ मिला है। शहरी क्षेत्रों में अरगोड़ा, बड़गाईं, हेहल, कांके नगर क्षेत्र, नगड़ी शहरी क्षेत्र, नामकुम शहरी क्षेत्र और बुंडू नगर पंचायत में भी बड़ी संख्या में लाभुक शामिल हैं।

रांची उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि नववर्ष नई उम्मीदों और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक होता है। जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि राज्य सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचे। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह योजना महिलाओं के जीवन में सुरक्षा, स्थिरता और सम्मान का भाव बढ़ाएगी तथा उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूती देगी। साथ ही उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे सरकारी योजनाओं की जानकारी लें, उनका सही उपयोग करें और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें। जिला प्रशासन ने जन शिकायतों के समाधान के लिए अबुआ साथी व्हाट्सएप नंबर 9430328080 की सुविधा भी उपलब्ध कराई है, ताकि आम लोग अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन तक पहुंचा सकें। प्रशासन ने बाल विवाह मुक्त रांची के संकल्प को दोहराते हुए समाज के सभी वर्गों से सहयोग की अपील की है। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत किया गया यह भुगतान नव वर्ष पर महिलाओं के लिए आर्थिक राहत और सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है।

गो तस्करों से जब्त किए गए पशु गोशाला भेजे जाएंगे

GANDIV REPORTER

मुरी। सिल्ली थाना अंतर्गत जयनगर के समीप 30 जनवरी को पशु तस्करों से सिल्ली पुलिस द्वारा 58 पशु जब्त किया गया था। पुलिस द्वारा जब्त पशुओं को जल्द ही गोशाला में भेजे जाएंगे। पूर्व में ये पशु को स्थानीय किसानों को दिया जाना था। परंतु राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव एवं समाज के कई प्रबुद्ध लोगों द्वारा थाना प्रभारी से मांगा की है कि सुरक्षा के दृष्टि से जब्त सभी पशुओ की बेहतर देख भाल हो। सके इसके लिए गौशाला में भेजा जाए। थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बताया कि जब्त पशुओं को जल्द ही टाटा या रांची के गोशाला में भेजा जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि सभी 9 पशु तस्करों को गिरफ्तार कर 31 जनवरी को जेल भेज दिया गया है।

झारखंड नगर निकाय चुनाव से पहले बैलेट बनाम ईवीएम पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में लंबे इंतजार के बाद अब जल्द शहरी नगर निकायों के लिए चुनाव होने की उम्मीद है। दलीय आधार पर चुनाव नहीं होने के बावजूद झारखंड की राजनीति में ईवीएम बनाम बैलेट की लड़ाई तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सह पूर्व मंत्री सीपी सिंह ने राज्य में आगामी नगर निकाय चुनाव ईवीएम की जगह बैलेट से कराने पर भारी गड़बड़ी की आशंका जताई है।

उन्होंने कहा है कि दरअसल सत्ता में शामिल दल झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद की मंशा सत्ता संरक्षित गुंडों की मदद से बूथों पर कब्जा करने की है, इसलिए ईवीएम की जगह राज्य में बैलेट पेपर से मतदान कराने का फैसला लिया गया है। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता और

झारखंड विधानसभा के स्पीकर रह चुके सीपी सिंह के आरोपों को हास्यास्पद बताते हुए कांग्रेस और झामुमो के नेताओं ने भाजपा पर पलटवार किया है।

बूथ की लूट न हो, इसलिए ईवीएम पर जोर : सीपी सिंह

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सह रांची विधायक सीपी सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को यह आशंका है कि अगर राज्य में बैलेट से चुनाव हुआ तो गड़बड़ी होगी। यह डर इसलिए है क्योंकि झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस की नीयत ठीक नहीं है। ये लोग सत्ता संरक्षित गुंडों के बल पर बूथ कब्जा करना चाहते हैं। सीपी सिंह ने कहा कि इनकी मंशा और नीयत ठीक नहीं दिखती है।

हम पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव के पक्षधर : कांग्रेस

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सीपी सिंह के तीखे आरोपों का जवाब देते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश कहते हैं कि भाजपा के नेता चाहे जो भी आरोप लगाएं, लेकिन हकीकत यह है कि हम निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव चाहते हैं। केशव महतो कमलेश ने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव बैलेट पेपर (मतदान पत्र) से ही संभव है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा आंदोलन करने के लिए स्वतंत्र है।

उसे केंद्र की भाजपा सरकार क्यों नहीं मान लेती। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि विश्व के विकसित देशों ने ईवीएम को छोड़ बैलेट से चुनाव कराना शुरू किया है तो फिर अपने यहां ईवीएम की जिद क्यों हो रही है। झामुमो नेता ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि ईवीएम की विश्वनीयता पर खुद प्रश्नचिह्न लगा हुआ है।

हम विपक्षी दल भी केंद्र से करते रहे हैं मांग : झामुमो

बैलेट से राज्य में नगर निकाय चुनाव होने पर बूथ लूट की आशंका वाले सीपी सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि हम सभी विपक्षी दल एकजुट होकर केंद्र से ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग करते रहे हैं। उसे केंद्र की भाजपा सरकार क्यों नहीं मान लेती। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि विश्व के विकसित देशों ने ईवीएम को छोड़ बैलेट से चुनाव कराना शुरू किया है तो फिर अपने यहां ईवीएम की जिद क्यों हो रही है। झामुमो नेता ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि ईवीएम की विश्वनीयता पर खुद प्रश्नचिह्न लगा हुआ है।

बसंत पंचमी को लेकर मूर्तिकार लगे मूर्ति बनाने

GANDIV REPORTER

मुरी। बसंत पंचमी को लेकर तैयारी जोरों पर चल रही है। मूर्तिकार मूर्ति बनाने में जुट गए हैं। बंता के मूर्तिकार संतोष और मंतोष मूर्ति बनाने में लगे हुए हैं। मूर्तिकार संतोष बताते हैं कि इस बार एक हजार रुपए से लेकर सौलह हजार रुपए तक की मूर्तियां हमारे यहां उपलब्ध है। हमारे यहां की फैंसी मूर्तियां आसपास के क्षेत्र में जाते हैं। बारेंदा, बुंडू , सिल्ली, मुरी आदि क्षेत्रों में सरस्वती की मूर्तियों को पसंद किया जाता है। हमारे सामने मूर्ति बनाने को लेकर काफी चुनौतियां भी है। रंग रोगन का समान कोलकाता से आता है जिससे हमारी लागत काफी बढ़ जाती है। इसके अलावे हम गणेश लक्ष्मी, विश्वकर्मा, काली सहित विभिन्न देवी देवताओं का मूर्ति बनाने का काम करते हैं।

जयपाल सिंह मुंडा को किया माल्यार्पण

GANDIV REPORTER

मुरी। आभार यात्रा में आये झारखंड आंदोलन कारी ने जय पाल सिंह मुंडा कि मूर्ति पर माल्यार्पण किया ओर सदा शुमनआरपित किया आज उनकी जयंती है जयपाल सिंह स्टेडियम में मारगं सिंह मुडां

की जयंती पर माल्यार्पण किया गया और एलवट ऐक्आ चौक से पैदल मार्च करते हुए जाएगे झारखंड के हरेक जिले से सैकड़ों लोग आये है रैली में मुरीसे रामाकातं गनेश चौधरी मोहमद इस्लाम नागेश्वरमाहतो सैकड़ो की सख्या में लोग आये है ओर उपस्थित हुए है।

महिला हॉकी इंडिया लीग का रोमांच

रांची रॉयल्स ने जेएसडब्ल्यू सूरमा को दी मात

GANDIV REPORTER

रांची। महिला हॉकी इंडिया लीग 2025-26 के एक मुकाबले में रांची रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को 2-0 से शिकस्त दी। यह मुकाबला शुक्रवार को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में खेला गया। रांची रॉयल्स की ओर से रुतुजा दादासो पिसल और साक्षी राणा ने शानदार फील्ड गोल दागकर टीम को अहम जीत दिलाई। मैच की शुरूआत काफी संतुलित रही। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों की रक्षापंक्ति मजबूत नजर आई और किसी भी टीम को साफ मौके नहीं मिले। रांची रॉयल्स ने शुरूआती मिनटों में गेंद पर अधिक नियंत्रण रखा, लेकिन जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने आक्रामक रुख

अपनाते हुए पहले 15 मिनट में ही 10 सर्कल पेनिट्रेशन कर डाले। 12वें मिनट में सूरमा को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन पेनी स्क्विब का शॉट रांची की फर्स्ट रशर ने रोक दिया।दूसरे क्वार्टर में मुकाबला और रोमांचक हो गया। 18वें मिनट में रुतुजा पिसल के शॉट को गोलकीपर सविता ने बचा लिया, जबकि रिबाउंड पर रांची को मौका गंवाना पड़ा। 25वें मिनट में रांची की इशिका के फाउल के बाद जेएसडब्ल्यू सूरमा को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, लेकिन रांची की गोलकीपर माधुरी किंडो ने शानदार बचाव करते हुए पेनी स्क्विब के प्रयास को नाकाम कर दिया।इसके तुरंत बाद मिले पेनल्टी कॉर्नर पर भी सूरमा गोल नहीं कर सका। पहले हाफ के अंतिम क्षणों में रांची रॉयल्स को सफलता मिली। मिडफील्ड से अगोस्टिना अलोंसो के सटीक पास पर रुतुजा दादासो पिसल ने बेहतरीन कौशल का प्रदर्शन करते हुए गेंद को डिफ्लेक्ट कर जाल में डाल दिया और रांची को 1-0 की बढ़त दिला दी।

बिहार सरकार के मंत्री पहुंचे दुमका, बाबा बासुकीनाथ धाम मंदिर में की पूजा-अर्चना

GANDIV REPORTER

दुमका। बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग मंत्री संजय कुमार सिंह और लोजपा के महुआ विधायक रामविलास शनिवार को दुमका पहुंचे। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ बाबा बासुकीनाथ मंदिर पूजा अर्चना की। उन्होंने बाबा से आशीर्वाद प्राप्त किया और नववर्ष में लोगों की मंगलकामना के लिए प्रार्थना की।

बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री एवं भाजपा नेता संजय कुमार सिंह बासुकीनाथ धाम पहुंचे। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ बाबा फौजदारी की विधि-विधान

के साथ पूजा अर्चना कर बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके साथ ही उन्होंने जनकल्याण के लिए वैदिक आरती भी की।

बिहार सरकार के उद्योग मंत्री के बासुकीनाथ मंदिर पहुंचने पर उनके पंडा और पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार से बाबा एवं पार्वती मंदिर, बगलामुखी सहित मंदिर परिसर स्थित अन्य देवी देवताओं की पूजा अर्चना करायी। इस दौरान मंदिर परिसर में काफी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मंदिर में पूजा अर्चना के बाद मंत्री संजय कुमार सिंह ने बताया कि बाबा फौजदारी एवं जगत जननी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता ने लोकतंत्र की एक मिसाल कायम की है। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए एक संकल्प का संदेश दिया है।

पुरोहितों ने प्रतीक चिन्ह देकर किया स्वागत

इससे पूजा-अर्चना के बाद बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार सिंह साथ में लोजपा विधायक रामविलास बाबा बासुकीनाथ मंदिर परिसर का भ्रमण करने पहुंचे। यहां पहुंचने पर मंदिर समिति के लोग और पंडा-पुरोहितों के द्वारा उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। इस मौके पर मंदिर के पंडा और पुरोहितों ने उन्हें प्रतीक चिन्ह देकर मंत्री का स्वागत किया।

द्वितीय ऑल इंडिया जजेज बैडमिंटन टूनार्मेंट का रांची में शुभारंभ

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी रांची में द्वितीय ऑल इंडिया जजेज बैडमिंटन टूनार्मेंट 2026 का आज भव्य शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान, न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय, न्यायमूर्ति अनुभा रावत चौधरी एवं भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान निक्की प्रधान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 03 से 04 जनवरी 2026 तक रांची के खेलगांव स्थित ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में आयोजित की जा रही है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान ने कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आपसी सहयोग भी सिखाते हैं। ऐसे आयोजन न्यायपालिका के सदस्यों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस टूनार्मेंट में देश के 09 विभिन्न उच्च न्यायालयों से आए 31 न्यायाधीश भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में मेन सिंगल्स, मेन डबल्स, वूमेन सिंगल्स और मिक्स्ड डबल्स–कुल चार श्रेणियों में मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए खेलगांव परिसर में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं, खिलाड़ियों के लिए विश्राम स्थल, चिकित्सा सुविधा और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई है।

इस अवसर पर प्रतियोगिता के बेहतर आयोजन और उत्कृष्ट प्रशासनिक व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन, रांची की सराहना की गई। न्यायमूर्ति रोंगोन मुखोपाध्याय द्वारा उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजंत्री को जिला प्रशासन के सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

इबरार अंसारी हत्याकांड : पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

GANDIV REPORTER

रांची। रांची जिला पुलिस ने बुढ़मू थाना क्षेत्र में हुए एक हत्याकांड का मात्र 48 घंटे के भीतर सफलतापूर्वक उद्भेदन कर लिया है। जिले के एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से हत्याकांड में प्रयुक्त हथियार, गोली और मोटरसाइकिल बरामद की है। उल्लेखनीय है कि बुढ़मू थाना क्षेत्र में पियूस उर्फ इबरार अंसारी की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। मृतक का शव सरईदाह करमबोहा नदी पर बने रेलवे पुल के पास रेलवे ट्रैक के नजदीक पाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए, एसएसपी ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। गठित टीम ने तकनीकी और अन्य गुप्त सूचनाओं के आधार पर गहन अनुसंधान शुरू किया।

इसी दौरान, दो जनवरी को टीम को यह सूचना मिली कि कांड में सक्रिय अपराधी छापर बरवाटोली में मौजूद हैं। छापामारी दल ने तुरंत ग्राम छापर बरवाटोली में छापा मारकर दो आरोपियों, समीर अंसारी और साहिल टुडू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा की गई सख्ती से पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

इबरार से लगभग छह महीने पहले ढाई लाख उधार लिए थे

मुख्य आरोपी समीर अंसारी ने खुलासा किया कि उसने मृतक पियूस उर्फ इबरार अंसारी से लगभग छह महीने पहले ढाई लाख रुपये उधार लिए थे। मृतक लगातार पैसे वापस मांग रहा था और न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे रहा था। इसी धमकी से परेशान होकर समीर ने अपने दोस्त साहिल टुडू और राम मुर्मू के साथ मिलकर पियूस उर्फ इबरार अंसारी को गोली मारकर हत्या कर दी और शव को रेलवे ट्रैक के पास फेंक दिया। गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर पुलिस ने तीसरे आरोपी राम मुर्मू को भी धर दबोचा। आरोपियों ने यह भी बताया कि हत्याकांड में इस्तेमाल किए गए हथियार और गोलियां नरेश मरांडी के घर छिपाकर रखे गए हैं। पुलिस टीम ने नरेश मरांडी के घर से हथियार और गोली बरामद किया और उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

सड़क सुरक्षा माह की शुरूआत, डीसी-ट्रैफिक एसपी ने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

GANDIV REPORTER

रांची। रांची जिले में आज शनिवार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 की शुरूआत की गई। इस मौके पर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री और ट्रैफिक एसपी ने राकेश सिंह, समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रथ गांवों, शहरों, स्कूलों, कॉलेजों और बाजारों में जाकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करेगा, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। इस दौरान अपर जिला दंडाधिकारी राजेश्वर नाथ आलोक, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार सहित कई वरीय अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

इस मौके पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि सड़क हादसे जान-माल के नुकसान का एक बड़ा कारण बन रहे हैं। यदि लोग ट्रैफिक नियमों का सही ढंग से पालन करें, तो कई दुर्घटनाओं और मौतों को रोका जा सकता है। उन्होंने बताया कि जागरूकता रथ के जरिये लोगों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, तेज गति और नशे की हालत में से वाहन न चलाने सहित अन्य ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

ट्रैफिक पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम लोगों से सहयोग की अपील की, ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। साथ ही लोगों की जान बच सके।

गौरतलब है कि देशभर में 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम ह्वसीख से सुरक्षाह्व रखी गई है, जिसका उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। इसी के तहत जिला प्रशासन, पुलिस और परिवहन विभाग ओर से सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है।

धुर्वा में दो बच्चे 20 घंटे से लापता, तलाश में जुटी पुलिस

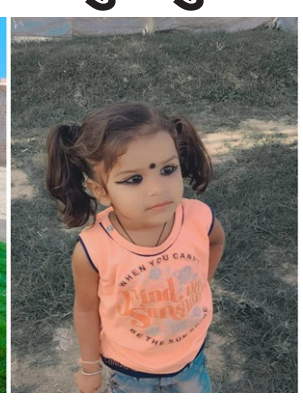

GANDIV REPORTER

रांची। राजधानी रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित मौसीबाड़ी खटल से शुक्रवार की दोपहर से दो बच्चों अंश और अंशिका लापता हैं। परिजनों के अनुसार, दोनों भाई-बहन तीन बजे घर से कुछ सामान लेने के लिए बाहर गए थे, लेकिन 20 घंटे के बाद भी वापस नहीं लौटे हैं।

परिवार और स्थानीय लोगों ने बच्चों को ढूंढने की कोशिश की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने धुर्वा थाने में दोनों बच्चों की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बच्चों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, दोनों बच्चे सामान लेने दुकान गए थे, लेकिन दुकान बंद होने के कारण वे आगे बढ़ गए और रास्ता भटक जाने की वजह से घर वापस नहीं लौट पाए। पुलिस ने बताया है कि कुछ लोगों ने दोनों बच्चों को शहीद मैदान के पास रोते हुए देखा था।

पुलिस बच्चों की तलाश के लिए धुर्वा थाना क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में संभावित मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर पूछताछ कर रही है। साथ ही दोनों बच्चों के फोटो अलग-अलग थानों में भेजे गए हैं, ताकि उन्हें सुरक्षित ढूंढा जा सके।

सीसीएल कर्मी चंद्र शेखर प्रसाद का मेडिका में निधन

रांची। सीसीएल कर्मी चंद्र शेखर प्रसाद का ड्यूटी दौरान निधन हो गया। प्रसाद बरका सयाल आरडब्ल्यूएस यूनिट भुरकुंडा में पदस्थापित थे। चन्द्र शेखर प्रसाद का लंबे समय से बीमार थे। सीसीएल गांधीनगर कांके रांची में इलाज चल रहा था। गंभीर स्थिति को देखते हुए सीसीएल के डॉक्टरों द्वारा मेडिका अस्पताल रेफर कर दिया गया था। मेडिका में आज 11 बजे प्रसाद की मौत हो गयी। चंद्र शेखर प्रसाद का पैतृक गांव बुढ़मू रांची में उनका दाह संस्कार शनिवार को दिन 1 बजे बुढ़मू मुक्ति धाम में किया गया। चन्द्र शेखर प्रसाद अपने पीछे पत्न ी, दो पुत्र, सूरज प्रसाद, आकाश प्रसाद, तीन पुत्री छोड़ गये हैं।

रांची में और तेज होगा अतिक्रमण हटाओ अभियान, मंजूनाथ भजंत्री ने लिया जायजा

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर रांची जिला प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को और तेज कर दिया है। शहर और जिला के विभिन्न हिस्सों में स्थित जलाशयों और सार्वजनिक संपत्तियों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए चल रहे अभियान को और तेज किया जाएगा।

इसी क्रम में शनिवार को रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने हटिया जलाशय (धुर्वा डैम) के आसपास का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान डीसी ने जलाशय क्षेत्र में फैले अतिक्रमण की स्थिति का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

रांची डीसी ने कहा कि जलाशयों की मूल सीमा को राजस्व अभिलेखों और नक्शों के अनुसार स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जाए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भविष्य में कोई अवैध कब्जा न किया जा सके। रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि जलाशयों तथा नदी क्षेत्रों पर अतिक्रमण का सीधा असर रांची की पारिस्थितिकी पर पड़ता है। इससे जल भंडारण क्षमता घटती है, भूजल स्तर प्रभावित होता है और पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन का लक्ष्य है रांची के सभी प्रमुख जलाशयों– कांके, हटिया, धुर्वा, गेतलसूद डैम, हरमू नदी, हिनू नदी और शहर के अन्य तालाबों को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त करना है। इसके साथ ही इन जलाशयों का वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण व सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा ताकि उनका उपयोग पेयजल, सिंचाई और पर्यटन की दृष्टि से सुरक्षित रह सके।

डीसी ने अंचल अधिकारियों, नगर निगम तथा संबंधित विभागों को मिलकर संयुक्त अभियान चलाने को कहा है। उन्होंने अपर समाहर्ता को निर्देश दिया कि सभी अंचलों के लिए निरीक्षण का रोस्टर तैयार किया जाए ताकि नियमित रूप से निगरानी होती रहे। इसके साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जहां से अतिक्रमण हटाया गया है, वहां दोबारा कब्जा न हो। प्रशासनिक स्तर पर जल्द ही एक समन्वित ह्वजलाशय संरक्षण मिशनह्व के तहत अभियान चलाया जाएगा। जिसमें अवैध निमार्णों को चिन्हित कर ध्वस्त किया जाएगा और प्रभावित क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाएगा।

नागरिकों से सहयोग की अपील

डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जलाशयों के आसपास किसी भी प्रकार का निर्माण या अतिक्रमण न करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य दंडात्मक कार्रवाई नहीं, बल्कि शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। झारखंड उच्च न्यायालय के निदेर्शों का अक्षरशः पालन किया जाएगा और इस दिशा में किसी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रांची का तिलकुट बाजार गुलजार, शुद्धता व वैरायटी में गया को दे रहा टक्कर

GANDIV REPORTER

रांची। मकर संक्रांति के पावन पर्व को लेकर राजधानी रांची का तिलकुट बाजार पूरी तरह सज संवर कर तैयार हो चुका है। हर साल की तरह इस बार भी तिलकुट की मांग चरम पर है, लेकिन इस बार बाजार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि रांची के स्थानीय कारीगर ही शुद्ध और उच्च गुणवत्ता का तिलकुट तैयार कर ग्राहकों को उपलब्ध करा रहे हैं। इससे न केवल स्थानीय कारीगरों को बढ़ावा मिला है, बल्कि ग्राहकों का भरोसा भी मजबूत हुआ है।

रांची का अपर बाजार इन दिनों तिलकुट के लिए खास पहचान बना रहा है। पहले जहां लोग गया के तिलकुट को प्राथमिकता देते थे, वहीं अब रांची का तिलकुट भी स्वाद, शुद्धता और वैरायटी के मामले में गया से कम नहीं माना जा रहा है। व्यापारियों का कहना है कि अब गया की खुशबू रांची के बाजारों में भी साफ महसूस की जा रही है। कई ग्राहकों का मानना है कि गया में अब मिलावट की शिकायतें बढ़ गई हैं, जबकि रांची के अपर बाजार में शुद्ध तिलकुट आसानी से उपलब्ध है।

तिलकुट बाजार का दायरा भी अब पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गया है। जो बाजार पहले छोटी-छोटी गलियों तक सीमित था, वह अब मुख्य सड़कों तक फैल चुका है। इससे ग्राहकों को खरीदारी में सुविधा हो रही है और बाजार में रौनक भी बढ़ी है। सुबह से देर रात तक तिलकुट की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बनी हुई है। इस बार बाजार में तिलकुट की कई आकर्षक वैरायटी देखने को मिल रही हैं। सादा तिलकुट के अलावा गुड़ तिलकुट, चीनी तिलकुट, ड्राई फ्रूट तिलकुट और खास तौर पर युवाओं को लुभाने वाला चॉकलेट तिलकुट भी उपलब्ध है। कारीगरों ने स्वाद के साथ-साथ पैकेजिंग पर भी खास ध्यान दिया है, जिससे तिलकुट उपहार के रूप में भी खरीदा जा रहा है। कीमतों की बात करें तो रांची के तिलकुट बाजार में क्वालिटी और वैरायटी के अनुसार दाम तय किए गए हैं। बाजार में तिलकुट 400 रुपये से लेकर 800 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है। सादा और गुड़ तिलकुट अपेक्षाकृत सस्ते हैं, जबकि ड्राई फ्रूट और चॉकलेट तिलकुट की कीमत थोड़ी ज्यादा है। बावजूद इसके, शुद्धता और स्वाद के कारण ग्राहक कीमतों को उचित मान रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि मकर संक्रांति नजदीक आते ही बिक्री में और तेजी आने की उम्मीद है। स्थानीय कारीगरों के लिए यह सीजन रोजगार और आमदनी का बड़ा जरिया बनता है। इस बार रांची का तिलकुट बाजार न सिर्फ परंपरा और स्वाद को संजोए हुए है, बल्कि स्थानीय हुनर और शुद्धता की मिसाल भी पेश कर रहा है।

बालिका शिक्षा व समाज सुधार की नेत्री सावित्रीबाई फुले

विजय केसरी
कथाकार /स्तंभकार

> सामाजिक कुरीतियों को जड़ से मिटाने के लिए सावित्रीबाई फुले ने जो काम कर दिखाया, उसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में जो महिलाओं की सहभागिता हुई थी, यह सब सावित्रीबाई फुले के समाज सुधार व बालिका शिक्षा आंदोलन का बड़ा हाथ था। सावित्रीबाई फुले ने बालिकाओं को आगे बढ़ाने के लिए जो शिक्षा का दरवाजा खोला था, यह अपने आप में एक मिसाल थी। कई सामाजिक प्रतिबंधों एवं समाज के विरोध के बावजूद सावित्रीबाई फुले ने अपने कदम को पीछे नहीं किया बल्कि समाज सुधार और बालिका शिक्षा को आगे बढ़ाने में अपना सब कुछ निछावर कर दिया था।

सावित्रीबाई फुले का नाम जेहन में आते ही आज से लगभग दो सौ वर्ष पूर्व भारतीय समाज किन कुरीतियों के बीच पल कर बढ़ रहा था, उसकी तस्वीर आंखों के सामने साफ झलकने लगती है । समाज में व्याप्त जाति प्रथा, छुआछूत, भेदभाव, विधवाओं के साथ तिरस्कार के भाव आदि ऐसी कुरीतियां समाज में व्याप्त थीं, जिसके चलते समाज का विकास बिल्कुल अवरुद्ध हो चुका था। सावित्रीबाई फुले ने समाज में व्याप्त इन कुरीतियों को देखकर बहुत ही दुखी हुई थीं। उनके मन में बचपन से ही ये भाव उठ रहे थें कि समाज में व्याप्त जात पात, छुआछूत, भेदभाव को समाप्त करने के लिए जन जागरण करेगी। जब वह बड़ी हुई तब उन्होंने अपने सपने को साकार करना शुरू कर दिया था । वह बचपन से ही छुआछूत, भेदभाव, जातिवाद और बालिका शिक्षा पर अघोषित रोक का विरोध करती रही थी। लेकिन उनकी बातों को अनसुनी कर दिया जाता था।

इस कालखंड में बालिकाओं की शिक्षा पर अघोषित प्रतिबंध था। बालिकाओं का जन्म सिर्फ घर के कामकाज एवं नौ-दस साल की उम्र होने पर उसका विवाह कर दिया जाता था । फिर वह ससुराल जाकर चूल्हा -चौकी से जुड़ जाती थी। वह इस नए दायित्व को संभालते हुए बच्चों को जन्म देकर उसका पालन पोषण से जुड़ जाती थीं। यह करते हुए उसकी जीवन लीला समाप्त हो जाती थी। एक बालिका के क्या अरमान है ? क्या शौक हैं ? वह जीवन में क्या करना चाहती हैं ? वह क्या बनना चाहती हैं? इन तमाम इन तमाम चाहतों व अरमानों से बालिकाओं को दूर रखा जाता था। एक तरह से इस अघोषित प्रतिबंध के कारण बालिकाएं खुले समाज में एक कैदी के रूप में जीवन जीने के लिए विवश थीं।

सामाजिक कुरीतियों को जड़ से मिटाने के लिए सावित्रीबाई फुले ने जो काम कर दिखाया, उसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में जो महिलाओं की सहभागिता हुई थी, यह सब सावित्रीबाई फुले के समाज सुधार व बालिका शिक्षा आंदोलन का बड़ा हाथ था। सावित्रीबाई फुले ने बालिकाओं को आगे बढ़ाने के लिए जो शिक्षा का दरवाजा खोला था, यह अपने आप में एक मिसाल थी। कई सामाजिक प्रतिबंधों एवं समाज के विरोध के बावजूद सावित्रीबाई फुले ने अपने कदम को पीछे नहीं किया बल्कि समाज सुधार और बालिका शिक्षा को आगे बढ़ाने में अपना सब कुछ निछावर कर दिया था। उन्होंने महिलाओं के लिए पहले बालिका विद्यालय खोल कर इतिहास रच दिया था। सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को हुआ था। तब देश में ब्रिटिश हुकूमत थी। सामाजिक कुरीतियों ने भारतीय

सोच पर ग्रहण लगा दिया था। देश में सुधारवादी आंदोलन जन्म ले रहे थे। सावित्रीबाई फुले का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम खन्दोजी नैवेसे और माता का नाम लक्ष्मी था। सावित्रीबाई फुले का विवाह मात्र नौ वर्ष की उम्र में 1840 में ज्योतिराव फुले से हुआ था। सावित्रीबाई फुले के पति ज्योतिराव फुले भी उनके विचारों से सहमत थे। सावित्रीबाई फुले ने अपने पति ज्योतिराव फूले से समाज में व्याप्त इन कुरीतियों को जड़ से उखाड़ फेंकने के विचारों को रखा था। ज्योतिराव फुले ने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले को उनके इस विचार को एक आंदोलन रूप देने का सलाह दिया था। अब सावित्रीबाई फुले को अपने सपने को साकार करने के लिए उनके पति ज्योतिराव फुले का समर्थन पंख मिल गया था । सावित्रीबाई फुले समाज सुधार आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक बनने का अवसर प्राप्त हुआ था । समाज सुधार एवं बालिका शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने की शिक्षा उन्हें गुरु महात्मा ज्योतिराव से प्राप्त हुई थी। महात्मा ज्योतिराव को महाराष्ट्र और भारत में सामाजिक सुधार आंदोलन में एक सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में माना जाता है। उनको महिलाओं और दलित जातियों को शिक्षित करने के प्रयासों के लिए भी जाना जाता है। ज्योतिराव, जो बाद में ज्योतिबा के नाम से जाने गए । गुरु ज्योतिराव सावित्रीबाई के संरक्षक, गुरु और समर्थक थे। सावित्रीबाई ने अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जीया था। सावित्रीबाई फुले का जीवन का उद्देश्य बन गया था कि विधवा विवाह करवाना, छुआछूत मिटाना, महिलाओं की मुक्ति और दलित महिलाओं को शिक्षित बनाना।

समाज सुधार के आंदोलन में सावित्रीबाई फुले एवं पति साथ साथ स्कूल जाते थे। इस दौरान उन दोनों पर विरोध स्वरूप कई लोग पत्थर फेंक कर मारा करते थे। कई बार उन दोनों पर पत्थर से गंभीर चोटें भी आई थी । यहां तक कि उन दोनों पर गंदगी भी फेंके जाते थे। वे दोनों चुपचाप समाज के इस तिरस्कार को सहते रहे और स्कूल में बालिकाओं को पढ़ाते भी रहे थे। उन पर गंदगी फेंक देते थे। आज से लगभग दो सौ साल पहले बालिकाओं के लिए स्कूल खोलना पाप का काम माना जाता था ।

जब सावित्रीबाई कन्याओं को पढ़ाने के लिए जाती थीं, तो वह एक साड़ी अपने थैले में लेकर चलती थीं और स्कूल पहुँच कर गंदी कर दी गई साड़ी बदल लेती थीं। समाज के इस तिरस्कार से कभी घबराई नहीं बल्कि इसी तिरस्कार से ही प्रेरणा लेकर सदैव गतिशील बनी रही थी। वह जानती थी कि तिरस्कार करने वाले हमारे ही समाज के लोग हैं। अगर उसका जवाब तिरस्कार से दिया जाए तो दूरियां और बढ़ेंगी। इसलिए उन्होंने उस तिरस्कार को अपना सम्मान ही समझा था। उन्होंने 5 सितंबर 1848 में पुणे में अपने पति के साथ मिलकर विभिन्न जातियों की सिर्फ नौ छात्राओं लेकर महिलाओं के लिए एक विद्यालय की स्थापना की। एक वर्ष के दरमियान ही सावित्रीबाई और महात्मा फुले पाँच नए विद्यालय खोलने में सफल हुए थे । तत्कालीन सरकार ने इस कार्य के लिए उन दोनों को सम्मानित भी किया। यह समझा जा सकता है कि एक महिला प्रिंसिपल के लिए सन 1848 में बालिका विद्यालय चलाना कितना मुश्किल रहा होगा। इसकी कल्पना शायद आज भी नहीं की जा सकती। सावित्रीबाई फुले उस दौर में न सिर्फ खुद पढ़ीं, बल्कि दूसरी लड़कियों के पढ़ने का भी बंदोबस्त किया था । सावित्रीबाई फुले के इस अवदान को कभी भी विस्मृत नहीं किया जा सकता है । आज जो देश भर की लड़कियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, उसके पीछे सावित्रीबाई फुले के बालिका शिक्षा आंदोलन का जबरदस्त हाथ रहा है। आज सावित्रीबाई फुले हमारे बीच नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने जो राह दिखाई, उस पथ पर आज आधुनिक भारत की लड़कियां आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। आज भारत की लड़कियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ख्याति अर्जित कर रही है।

सामाजिक सेवा करते हुए 10 मार्च 1897 को प्लेग के कारण सावित्रीबाई फुले का निधन हो गया था। सन 18 97 में देशभर में प्लेग महामारी फैल गई थी। इस महामारी से देश भर में लाखों लोग मरे थे। प्लेग महामारी में सावित्रीबाई प्लेग के मरीजों की सेवा बढ़ चढ़कर थीं। प्लेग के मरीजों की सेवा करते हुए उन्हें भी प्लेग हो गया था । मात्र 67 वर्ष की उम्र में जान तक गंवानी पड़ी थी। सावित्रीबाई फुले का संपूर्ण जीवन समाज सुधार और बालिका शिक्षा को जन-जन तक फैलाने में बीता था। आज की बदली परिस्थितियों में जब भारत एक आधुनिक भारत के रूप में तब्दील हो चुका है। भारत विश्व गुरु की ओर कदम बढ़ा चुका है। इसके पीछे सावित्रीबाई पुणे के सामाज सुधार आंदोलन और बालिका शिक्षा आंदोलन के अवदान को कभी विस्मृत नहीं किया जा सकता है।

समाधान, संकल्प और लोकतांत्रिक नवजागरण का उद्घोष हो

ललित गर्ग

सत्ता और विपक्ष-दोनों की यह साझा जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्रीय हितों को दलगत राजनीति से ऊपर रखें। लोकतांत्रिक प्रणाली को एक नई ऊँचाई पर ले जाने के लिए राजनीतिक मूल्यों का पुनर्जागरण आवश्यक है। पारदर्शिता, जवाबदेही, नैतिकता और जन-सरोकार-इन चार स्तंभों पर ही सशक्त लोकतंत्र खड़ा होता है। 2026 में राजनीति को केवल सत्ता-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, बल्कि लोक-सेवा का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। यदि राजनीति आम आदमी के दुःख-दर्द, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ती है, तभी लोकतंत्र में जनता का विश्वास मजबूत होगा।

नया साल आम आदमी के जीवन में रोशनी बनकर आए-यह तभी संभव है जब हम समस्याओं का रोना रोने के बजाय समाधान की संस्कृति विकसित करें। महँगाई, बेरोजगारी, सामाजिक विषमता और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ केवल सरकारी घोषणाओं से नहीं सुलझेंगी; इनके लिए सामूहिक संकल्प और सहभागिता चाहिए। भारत की जनता में यह सामर्थ्य है कि वह झूठ को पहचानती है, सज्जनता को स्वीकार करती है और इंसानियत के मायने जानती है। हमारी सभ्यता की जड़ें अहिंसा और शांति में हैं-इसी बल पर हमें अपने समय की जटिल चुनौतियों का समाधान खोजना होगा। स्वास्थ्य के मोर्चे पर 2026 को विशेष सतर्कता का वर्ष बनाना होगा। महामारी के बाद की दुनिया ने यह सिखाया है कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा का प्रश्न है। खानपान की संस्कृति को नया आयाम देना होगा, स्थानीय, पौष्टिक और संतुलित आहार को बढ़ावा देते हुए। योग, ध्यान और जीवनशैली में संयम को अपनाकर ही हम स्वस्थ समाज की नींव रख सकते हैं। साथ ही ह्यस्वदेशीह्ण के मंत्र को नई ऊँचाई पर ले जाना होगा-चाहे वह उत्पादन हो, उपभोग हो या तकनीकी नवाचार। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, मानसिक और सांस्कृतिक भी होनी चाहिए। सामाजिक जीवन में भी नए संकल्पों की आवश्यकता है। नशा, दिखावा और आडंबर हमारी सामाजिक ऊर्जा को खोखला करते हैं। सादगी, संयम और मूल्यबोध को प्रोत्साहित करना समय की माँग है। विवाह और सामाजिक संस्कारों को बाजारू प्रदर्शन से मुक्त कर मानवीय संबंधों की गरिमा से जोड़ना होगा। यही नहीं, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, जल-संरक्षण और प्रकृति के साथ सहअस्तित्व-ये सभी नए साल के अनिवार्य संकल्प होने चाहिए। तकनीक और परंपरा के संतुलन के बिना इक्कीसवीं सदी का भारत आगे नहीं बढ़ सकता। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल सार्वजनिक ढाँचे और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत नए मानक स्थापित कर रहा है, पर इस प्रगति के साथ मानवीय संवेदनाओं का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। विकास का सही अर्थ वही है, जिसमें अंतिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति भी स्वयं को सम्मानित और सुरक्षित महसूस करे। 2026 में हमें बड़े बदलाव के लिए छोटे-छोटे लेकिन ठोस कदम उठाने होंगे। नए संकल्पों के पौधे रोपने होंगे, विकास एवं विवेक के नए स्वास्तिक रचने होंगे-पर इसके लिए मौसम और माहौल दोनों बनाना पड़ेगा। सकारात्मक सोच, सामाजिक विश्वास और राजनीतिक सद्भाव-यही वह वातावरण है, जिसमें परिवर्तन के बीज फलते-फूलते हैं। तैयारी के बिना संकल्प खोखले रह जाते हैं; इसलिए नीति, नियत और नियोजन-तीनों का समन्वय अनिवार्य है। अंततः नया साल 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि इतिहास अवसर देता है, पर दिशा हमें स्वयं तय करनी होती है। यदि हम शांति को प्राथमिकता, लोकतंत्र को आचरण और समाधान को संस्कृति बना लें, तो यह वर्ष केवल एक कैलेण्डर नहीं, बल्कि एक युगांतकारी मोड़ सिद्ध हो सकता है। **समाप्त**

झारखंड

पलामू में पकड़ा गया फर्जी आईएएस अधिकारी

कई साल की यूपीएससी की तैयारी, परीक्षा नहीं हुई क्लियर तो बना फेक ऑफिसर

GANDIV REPORTER

पलामू। जिले के हुसैनाबाद से एक फर्जी आईएएस अधिकारी पकड़ा गया है। यह फर्जी आईएएस राजेश कुमार पलामू के हैदरनगर थाना क्षेत्र के कुकही गांव का रहने वाला है। राजेश कुमार दो जनवरी को पलामू के हुसैनाबाद थाना पहुंचा था। जहां खुद को 2014 बैच के ओडिशा कैडर का आईएएस बताया। साथ ही खुद को ओडिशा के भुवनेश्वर में खरेवाला नगर में सीएओ के पद तैनात बताया।

कैसे हुआ फर्जी आईएएस का खुलासा : हुसैनाबाद थाना प्रभारी राजेश कुमार से राजेश बातचीत कर रहा था। इसी क्रम में थाना प्रभारी के द्वारा राजेश कुमार से उसकी पोस्टिंग के बारे में पूछा गया। जिस पर राजेश कुमार ने बताया कि वह भुवनेश्वर, देहरादून, हैदराबाद में काम कर चुका है। थाना प्रभारी द्वारा यह पूछे जाने पर कि तीन अलग-अलग राज्यों में पोस्टिंग कैसे हुई है। इसके जवाब में राजेश कुमार

ने बताया कि वह आईएएस ऑफिसर है, जो यूपीएससी कैडर से चयनित होते हैं।

पूरे मामले में पुलिस को शक हुआ और पूछताछ की गई तो पता चला कि राजेश कुमार खुद को आईएएस अधिकारी बताकर प्रभावशाली काम करवाने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान पुलिस द्वारा राजेश कुमार से उनका परिचय पत्र एवं नियुक्ति संबंधी दस्तावेज मांगे गए, जो राजेश कुमार नहीं दे पाया।

राजेश कुमार की तलाशी के दौरान पुलिस को उसके पास से एक फर्जी आईएएस अधिकारी का परिचय पत्र बरामद हुआ। राजेश कुमार अपनी गाड़ी पर गवर्नमेंट आफ इंडिया सीएओ टेलीकम्युनिकेशन डिपार्टमेंट लिखकर चलाता था।

छह वर्षों से आईएएस बनकर घूम रहा था

इस मामले में हुसैनाबाद एसडीपीओ मोहम्मद याकूब ने बताया कि राजेश कुमार खुद को आईएएस अधिकारी बता रहा था। जांच के दौरान पता चला कि वह फर्जी तरीके से आईएएस अधिकारी बना हुआ है। एसडीपीओ ने बताया कि राजेश कुमार के पिता का सपना था कि वह आईएएस बने। राजेश कुमार ने यूपीएससी में चार बार अटेम्प्ट भी किया था, लेकिन वह क्लियर नहीं कर पाया। एसडीपीओ ने बताया कि राजेश कुमार खुद को आईएएस अधिकारी बताकर 6-7 वर्षों से घूम रहा था। पूरे मामले में राजेश कुमार के खिलाफ हुसैनाबाद थाना में गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है।

पाकुड़ में दो गुटों के बीच विवाद जमकर हुई मारपीट और बमबाजी

GANDIV REPORTER

पाकुड़। जिले के सदर प्रखंड के झीकरहट्टी गांव में आपसी विवाद में दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। जिसके बाद विवाद इतना बढ़ गया कि एक दूसरे पर देसी बम से हमला किया गया। इस घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं मिली है। इधर मामले की जानकारी मिलते ही दोनों गुट पुलिस के आने से पहले ही फरार हो गए।

पिकनिक मनाने के दौरान हुआ दो पक्षों में विवाद : जानकारी के मुताबिक, 1 जनवरी की देर शाम पिकनिक मना रहे दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बात इतनी बिगड़ गई कि दोनों गुट के बीच मारपीट शुरू हो गई। इस बीच दोनों पक्षों में बमबाजी होने लगी। बमबाजी से पिकनिक स्पॉट समेत आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई। घटना को लेकर गांव में देर रात पंचायत कराई गई लेकिन उसमें कोई समाधान नहीं निकला।

प्राकृतिक आपदाओं से लड़ने की तैयारी देवघर में एनडीआरएफ की मॉक ड्रिल

GANDIV REPORTER

देवघर। किसी भी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए और लोगों को जागरूक करने के लिए देवघर में एनडीआरएफ ने मॉक ड्रिल किया। इस दौरान बच्चों से लेकर आमजन सभी को सुरक्षा के तरीके बताए गए। देवघर के स्कूलों और सार्वजनिक जगहों पर ट्रेनिंग कैंपेन चलाए गए, ताकि यह पक्का किया जा सके कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोग अपनी सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें।

इस अभ्यास के दौरान, एनडीआरएफ टीम ने स्कूली बच्चों और लोगों को सिखाया कि आपदा के समय घबराने के बजाय समझदारी से अपनी सुरक्षा कैसे करें। मॉक ड्रिल के बारे में जानकारी देते हुए एनडीआरएफ के अधिकारी कृष्ण मुरारी ने बताया कि इस अभ्यास का मुख्य मकसद भूकंप जैसी आपदा की स्थिति में जान-माल के नुकसान को कम करना है। उन्होंने लोगों को बताया कि भूकंप आने पर कहां शरण लेनी है, कैसे सुरक्षित बाहर निकलना है और क्या सावधानियां बरतनी हैं।उन्होंने आगे बताया कि

देवघर के खनन प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए कैसे सतर्क रहना चाहिए। पहाड़ी और पर्यटन इलाकों में आने वाले टूरिस्ट से भी अपील की गई कि वे उन जगहों पर ना जाएं, जहां जिला प्रशासन और एनडीआरएफ ने पहले ही चेतावनी जारी की हो। एनडीआरएफ अधिकारियों ने यह भी बताया कि भविष्य में आपदा राहत सेवाओं को और तेज और असरदार बनाने के लिए मुख्यालय और स्थानीय कार्यालय के बीच लगातार विचार-विमर्श चल रहा है।

सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल है लंगेश्वरी बाबा समाधि स्थल, लाखों की संख्या में जुटें श्रद्धालु

GANDIV REPORTER

गिरिडीह। खरगडीहा में अवस्थित लंगटा बाबा समाधि स्थल (लंगेश्वरी बाबा) पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है। पौष पूर्णिमा पर यहां लगे मेला में विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु पहुंचे हैं। लोग बाबा के समाधि स्थल पर सुबह से ही चादर चढ़ा रहे हैं। वैसे परंपरा के अनुसार सुबह 3 बजे पहली चादर जमुआ थाना के थानेदार विभूति देव ने चढ़ाई।

इसके बाद भक्तों द्वारा चादर चढ़ाने का सिलसिला शुरू कर दिया। यहां विधि व्यवस्था को लेकर उपस्थित जमुआ के सर्कल इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार दास एवं थाना तथा प्रखंड के कई पदाधिकारियों ने भी बाबा के समाधि पर चादर चढ़ाकर क्षेत्र में अमन चैन की मन्नत मांगी।

शनिवार की सुबह से यहां भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है। यहां झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, ओड़िशा, उत्तर प्रदेश के अलावा कई प्रदेश से लोग पहुंचे हैं। कई ऐसे लोग भी पहुंचे हैं जो विदेश में रहते हैं। विभिन्न धर्म के लोग भी बाबा के दरबार में पहुंचे, जो चादर चढ़ाकर मन्नत मांगेंगे। इधर, भीड़ को देखते हुए खोरी महुआ के एसडीएम की अगुवाई में सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया

गया है।

बता दें कि लंगेश्वरी बाबा के प्रति लोगों की गहरी आस्था है। लोग बताते हैं कि ब्रिटिश काल में साधू-संत के साथ देवघर जा रहे लंगेश्वरी बाबा खरगडीहा स्थित थाना में रुके थे। उस वक्त के थाना प्रभारी ने बाबा को जाने को कहा इसपर बाबा ने कहा कि तू ही चला जाएगा बाबा के इस कथन के बाद खरगडीहा में अवस्थित थाना वहां से हटकर से जमुआ आ गया था।

इंसान के साथ पशु-पक्षी से भी प्रेम करने वाले बाबा वर्ष 1910 में पौष पूर्णिमा के दिन ब्रह्मलीन हो गए थे और यहां पर बाबा की समाधि बनायी गई। कहा जाता है कि इनके पास आने वाले लोगों का दुख भी दूर हो जाता था। यही कारण है कि विभिन्न धर्म के लोगों की आस्था इनके प्रति है।

RNI NO : JHABIL/2019/85684, Printed and Published by SHREE KANT SINGH on behalf of M/s PAHARI BABA VENTURES PVT LTD and Printed at KHABAR MANTRA PRESS, M/s VRINDA MEDIA PUBLICATIONS PVT LTD, Plot no-342,344 Chiroundi, Boreya Road, Ranchi, Jharkhand-834008 and Published at B-13, JP Market, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand, Ph.-06207706623. Editor- **Amarkant*** responsible for selection of news under the PRB Act.

डार्क सर्कल्स से छुटकारा पाने के लिए जरूर आजमाएं ये तरीका, रिजल्ट कर देगा हैरान

आंखों के नीचे डार्क सर्कल के साथ जागना एक बुरा सपना है जिससे हम सब डरते हैं। आंखों के नीचे डार्क सर्कल कभी-कभी एक लगातार समस्या हो सकती है, जो अक्सर नींद की कमी के कारण होती है। ये डार्क सर्कल आपको थका हुआ या अपनी उम्र से ज्यादा उम्र का दिखा सकते हैं। लेकिन, अच्छी बात यह है कि अच्छी डाइट और घरेलू नुस्खे इन डार्क सर्कल को कम करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। आप महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स में पैसे खर्च किए बिना अपनी आंखों के नीचे के डार्क सर्कल से छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए, आपको अपनी डाइट पर खास ध्यान देना होगा। ब्यूटीशियन इस समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए बेहतरीन डाइट बताते हैं। अपनी डाइट में कुछ बदलाव करके आप आंखों के नीचे के इन काले घेरों को हमेशा के लिए अलविदा कह सकते हैं। कहते हैं कि आंखें बिना कुछ कहे हजार बातें कह जाती हैं। लेकिन अगर आपकी आंखों के नीचे डार्क सर्कल हैं, तो उन्हें नजरअंदाज करने के बजाय, आपको यह समझने की जरूरत है कि उनसे कैसे छुटकारा पाया जाए। तो, आइए इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताते हैं जो आपकी आंखों के नीचे के डार्क सर्कल से छुटकारा पाने में आपकी मदद कर सकते हैं।

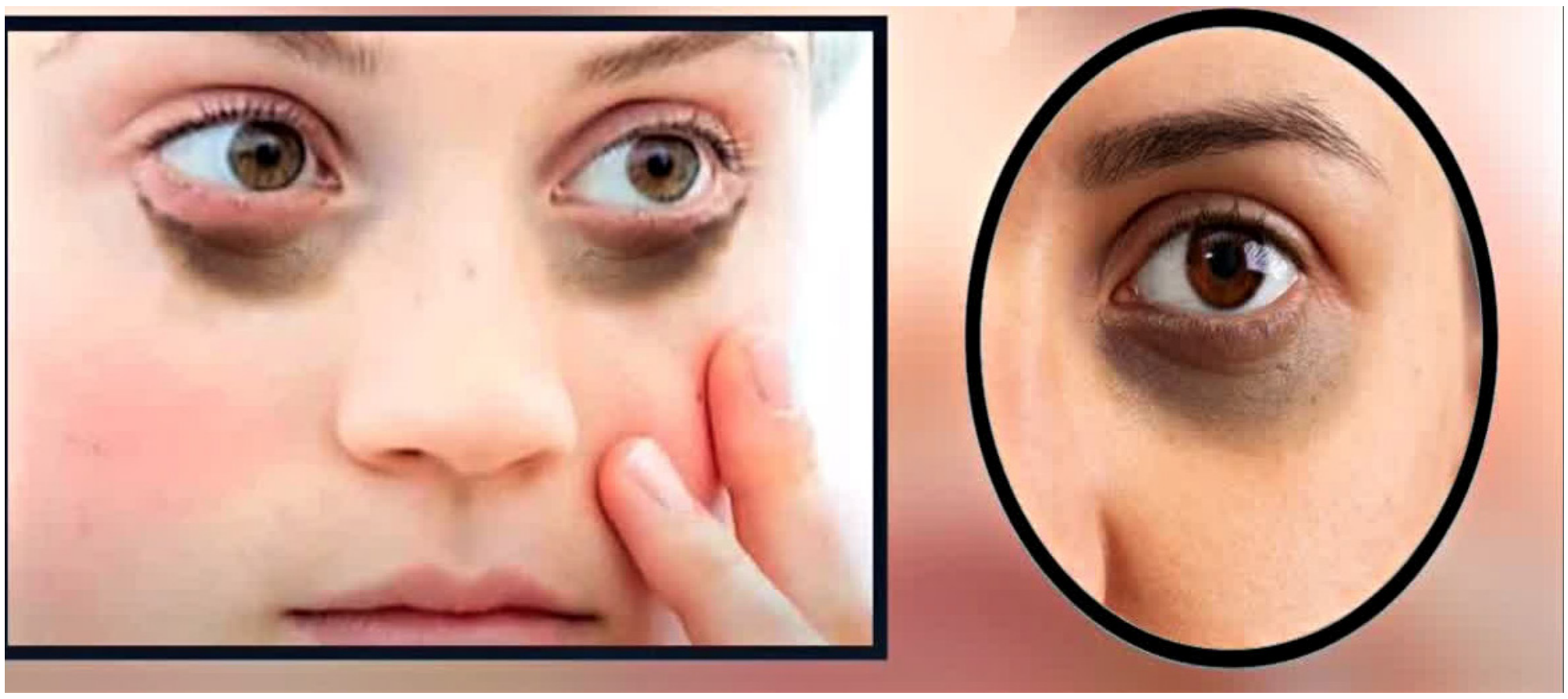

अंडर आई डार्क सर्कल से क्या खाएं क्या ना खाएं

खट्टे फल खाएं: बहुत से लोग काम के प्रेशर में रहते हैं और सही पोषण पर ध्यान नहीं देते। इससे आंखों के नीचे काले घेरे हो सकते हैं। जिन लोगों को यह समस्या है, उन्हें विटामिन सी से भरपूर खाना खाना चाहिए, क्योंकि विटामिन सी सेल्स को फ्री रेडिकल्स से बचाता है और काले धब्बे बनने से रोकता है। इसलिए, आपको यह पक्का करना चाहिए कि आपकी रोज की डाइट में नींबू, आंवला, शिमला मिर्च, कीवी, बेरीज, अमरूद और कमल के डंठल शामिल हों। इसी तरह, लाइकोपीन भी हमारी स्किन को पिगमेंटेशन से बचाता है। यह टमाटर, शिमला मिर्च, गाजर, अमरूद और तरबूज में भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

पत्तेदार हरी सब्जियों को प्राथमिकता दें: अगर हम अपने शरीर के सभी सेल नेटवर्क तक पर्याप्त ऑक्सीजन पहुंचाना चाहते हैं, तो हमें आयरन का लेवल सही रखना होगा। पालक, लेट्यूस, किशमिश, कद्दू के बीज, दाल और दूसरी पत्तेदार हरी सब्जियों में भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है। अपनी रोजाना की डाइट में इनमें से किसी एक को शामिल करने का प्लान बनाएं।

विटामिन इ का सेवन करें: विटामिन इ से भरपूर खाना भी आंखों के नीचे काले घेरे कम करने में अहम भूमिका निभाता है। इनमें एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं। बादाम, एवोकाडो, छोले, मूंगफली और चुकंदर जैसे खाने की चीजों से भरपूर मात्रा में विटामिन ए मिलता है।

विटामिन के : विटामिन के डैमेज टिशूज को ठीक करने में बहुत जरूरी भूमिका निभाता है। अपनी रोजाना की डाइट में पत्तागोभी, हरी पत्तेदार सब्जियां, ब्रोकली और लेट्यूस शामिल करने से आपकी स्किन सुरक्षित रहती है। ऊपर बताए गए खाने की चीजों को खाते समय, अपने चेहरे को रोजाना एक अच्छे क्लींजर से साफ करें। साथ ही, हमेशा हेल्दी खाना खाने की कोशिश करें।

आरामदायक नींद लें: डाइट में बदलाव के अलावा, आपको हर दिन कम से कम तीन लीटर पानी पीने की आदत डालनी चाहिए। इसी तरह, रात का खाना 7 बजे तक खत्म करने की कोशिश करें। इन सबके साथ, यह भी पक्का करें कि आपको आठ घंटे की आरामदायक नींद मिले। अगर आप ये बदलाव करना शुरू करते हैं, तो कुछ ही दिनों में आपको अपने चेहरे में अनचाहे सुधार दिखेंगे।

डार्क सर्कल्स के मुख्य कारण क्या हैं?

डार्क सर्कल्स कई कारणों से होते हैं, जैसे कि नींद की कमी, एलर्जी, जिसमें हे फीवर भी शामिल है। हाइपरपिग्मेंटेशन (जब शरीर बहुत ज्यादा मेलेनिन बनाता है)। आंखों के आसपास फैटी टिशू का कम होना और पतला होना। आंखों के नीचे की त्वचा का पतला होना। आयरन की कमी। ज्यादा धूप में रहना। स्मोकिंग। थायरॉइड की समस्याए, पर्याप्त पानी न पीना।

सर्दियों की थाली में सेहत व स्वाद का मेल कुकुरमुत्ता पनीर रस्सा

सर्दियों का मौसम आते ही भारतीय रसोई में ऐसे व्यंजनों की तलाश शुरू हो जाती है जो शरीर को गर्म रखें, पोषण दें और स्वाद में भी भरपूर हों। इन्हीं अपेक्षाओं पर खरा उतरता है कुकुरमुत्ता पनीर रस्सा, जो आजकल घरों में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह व्यंजन न सिर्फ स्वादिष्ट है, बल्कि प्रोटीन और पोषण से भरपूर होने के कारण सर्दियों के लिए एक संतुलित भोजन भी माना जा रहा है। ठंड के मौसम में जब सब्जियों की उपलब्धता बदल जाती है, तब मशरूम यानी कुकुरमुत्ता और पनीर का यह मेल रसोई में एक खास जगह बना लेता है।

कुकुरमुत्ता भारतीय रसोई में भले ही अपेक्षाकृत नया घटक माना जाए, लेकिन आज यह शहरी और कस्बाई बाजारों में आसानी से उपलब्ध है। सर्दियों में इसकी मांग इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि यह जल्दी पक जाता है और मसालेदार ग्रेवी के साथ बेहतरीन स्वाद देता है। दूसरी ओर, पनीर का इतिहास कहीं अधिक पुराना है, जिसे मुगल काल से भारतीय रसोई में समृद्ध ग्रेवी वाले व्यंजनों का आधार माना जाता रहा है। जब इन दोनों को एक साथ रस्सेदार करी में पकाया जाता है, तो यह व्यंजन परंपरा और आधुनिक खानपान का सुंदर उदाहरण बन जाता है।

पोषण के नजरिए से देखें तो कुकुरमुत्ता पनीर रस्सा सर्दियों के लिए आदर्श माना जा सकता है। मशरूम हल्का होने के साथ-साथ बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन और खनिजों से भरपूर होता है, जो शरीर को ऊर्जा देने में मदद करता है। वहीं पनीर शाकाहारी प्रोटीन और कैल्शियम का अच्छा स्रोत है, जो हड्डियों और मांसपेशियों के लिए जरूरी माना जाता है। यही वजह है कि यह व्यंजन पेट भरने के साथ-साथ शरीर को जरूरी पोषण भी देता है।

घर की रसोई में यह रस्सा बनाना भी ज्यादा जटिल नहीं है। इसकी सामग्री आमतौर पर हर भारतीय किचन में मिल जाती है और पकाने की विधि भी सरल है।

सामग्री

250 ग्राम साफ किए हुए और कटे हुए बटन मशरूम, 200 ग्राम पनीर के क्यूब्स, एक कप बारीक कटा हुआ प्याज, एक कप टमाटर की प्यूरी, एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, एक छोटी हरी मिर्च (वैकल्पिक), एक चम्मच जीरा, डेढ़ चम्मच धनिया पाउडर, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चौथाई चम्मच हल्दी, आधा चम्मच गरम मसाला, दो बड़े चम्मच तेल, एक कप पानी और स्वादानुसार नमक लिया जाता है।

बनाने की प्रक्रिया

- सबसे पहले एक गहरे पैन में तेल गर्म किया जाता है। तेल के गर्म होते ही उसमें जीरा डाला जाता है और उसे चटकने दिया जाता है। इसके बाद बारीक कटा प्याज डालकर धीमी आंच पर सुनहरा होने तक भून लिया जाता है। जब प्याज नरम हो जाए, तब उसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर कच्ची खुशबू खत्म होने तक पकाया जाता है। इसके बाद टमाटर की प्यूरी डालकर मसाले को तब तक भूनते हैं जब तक तेल अलग न होने लगे।
- अगले चरण में धनिया पाउडर, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर मसाले को अच्छी तरह मिला लिया जाता है और एक मिनट तक पकाया जाता है। अब इसमें कटे हुए मशरूम डालकर तीन से चार मिनट तक चलाते हुए भूनते हैं ताकि वे मसालों का स्वाद अच्छे से सोख लें। इसके बाद एक कप पानी डालकर रस्से को पांच मिनट तक धीमी आंच पर उबलने दिया जाता है। जब ग्रेवी थोड़ी गाढ़ी हो जाए, तब उसमें पनीर के टुकड़े डालकर हल्के हाथ से मिलाया जाता है और तीन से चार मिनट तक और पकाया जाता है। अंत में गरम मसाला छिड़ककर गैस बंद कर दी जाती है।
- तैयार कुकुरमुत्ता पनीर रस्सा रोटी, पराठा या चावल के साथ परोसा जा सकता है। सर्दियों की दोपहर या रात के खाने में यह व्यंजन न सिर्फ भूख मिटाता है, बल्कि शरीर को गर्माहट भी देता है। यही कारण है कि इसे रोजमर्रा के भोजन में भी आसानी से शामिल किया जा सकता है।
- खानपान विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इसे और हल्का बनाना हो तो तेल की मात्रा कम की जा सकती है और मशरूम की मात्रा बढ़ाई जा सकती है। ताजे पनीर का इस्तेमाल करने से स्वाद और सेहत दोनों में सुधार होता है। कुल मिलाकर, कुकुरमुत्ता पनीर रस्सा एक ऐसा व्यंजन है जो सर्दियों की रसोई में परंपरा, पोषण और स्वाद का संतुलन बनाकर लोगों की उत्सुकता और जिज्ञासा को पूरी तरह संतुष्ट करता है।

माघ मेले में जा रहे हैं तो करें पांच तरह का दान, संकट हो जाएंगे दूर

प्रयागराज में आज 3 जनवरी 2026 से 15 फरवरी तक माघ मेले का आयोजन होगा। इस मेले का महत्व भी कुंभ मेले की तरह ही होता है। यदि आप मेले में जा रहे हैं तो यहां पर दान जरूर करें। दान करने से जहां ग्रह और नक्षत्रों के दोष दूर होते हैं वहीं यह पुण्य का कार्य भी है। इसलिए आप दान जरूर करें।

1. तिल दान: माघ के महीने में जब सूर्य मकर राशि में होता है, तब करोड़ों श्रद्धालु तीर्थराज प्रयाग में तिल का दान करते हैं। प्रयाग में तिलदान की बड़ी महिमा कही गई है। तीर्थराज प्रयाग में तिल के साथ दक्षिणा दी जाती है। बहुत से श्रद्धालु तिल के लड्डुओं में सिक्के रखकर उसे तैयार करते हैं। ये लड्डू तीर्थ पुरोहितों को दान में दिए जाते हैं। यह एक तरह का गुप्त दान है।

2. गुप्त दान: प्रयाग में गुप्त दान की बड़ी महिमा है। प्रकट रूप से जो दान किया जाता है, उसकी तुलना में गुप्त दान से दस गुना ज्यादा फल मिलता है। यथाशक्ति आप जो भी दान देना चाहे वह किसी ब्राह्मण के माध्यम से दान कर दें किसी मंदिर, मठ या आश्रम में।

3. वस्त्र दान: वस्त्र में आप किसी ब्राह्मण या जरूरतमंद को धोती, कुर्ता, टोपी, अंगोछा, बनियान, ओढ़नी, पगड़ी दान कर सकते हैं।

4. बिस्तर दान: बिस्तर दान में पलंग (चारपाई), दरी, मसनद, मसहरी, रजाई, गद्दा, तकिया, कम्बल दान कर सकते हैं।

5. आमान्न दान: इसमें अन्न (चावल, दाल), घी, गुड़, नमक, चीनी और कच्ची सब्जियां जैसी चीजें शामिल होती हैं, जो ब्राह्मणों के भोजन में इस्तेमाल होती हैं। इसको एक थाली में सजाकर उसका दान थाली सहित करें।

प्रयागराज माघ मेला में नागा साधुओं ने स्नान किया। मेले की सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व है।

नीतीश सरकार वरिष्ठ नागरिकों को घर पर स्वास्थ्य सुविधा देगी

- समाज के सभी वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए काम
- सबका सम्मान-जीवन आसान
- नर्सिंग सहायता और फिजियोथेरेपी की सुविधा

GANDIV REPORTER

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार को देश के अग्रणी विकसित राज्यों की कतार में खड़ा करने के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप पेश किया है। 2025 से 2030 के कालखंड को बिहार के स्वर्णिम भविष्य का आधार बताते हुए मुख्यमंत्री ने सात निश्चय-3 के कार्यक्रमों की घोषणा की है।

समाज के सभी वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए काम : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि 24 नवंबर 2005 को राज्य में जब से उनकी सरकार बनी तब से न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर चलते हुए समाज के सभी वर्ग के लोगों के उत्थान और हर क्षेत्र के विकास के लिए काम किया है। नीतीश कुमार ने कहा कि उन्होंने पूरे बिहार को अपना परिवार माना है और सबके मान और सम्मान का पूरा ख्याल रखा है। अब राज्य में समाज के हर वर्ग के लोग सम्मान के साथ आसानी से जीवन व्यतीत कर सकें इसे लेकर उन्होंने ने गंभीरता से कार्य प्रारंभ कर दिया है।

सबका सम्मान-जीवन आसान : नीतीश कुमार ने कहा कि वर्ष 2025 से 2030 के लिए राज्य को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के लिए सात निश्चय-3 के कार्यक्रमों को लागू किया है। सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय सबका सम्मान-जीवन आसान का उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम करना तथा उनके जीवन को और भी आसान बनाना है।

नर्सिंग सहायता और फिजियोथेरेपी की सुविधा :

मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले उनकी कोशिश है कि राज्य के जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को जरूरत के समय उनके घर पर ही अति आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। इसमें नर्सिंग सहायता, घर पर ही पैथोलॉजी जांच , ब्लड प्रेशर, ईसीजी जांच और फिजियोथेरेपी की सुविधा शामिल है। इसके अलावा आपातकालीन स्थिति में सभी प्रकार की चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधित उपरोक्त सभी सुविधाएं उन्हें घर पर ही मिल सकें, इसे लेकर हमलोगों ने स्वास्थ्य विभाग को तेजी से काम करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को आसान बनाने के लिए और क्या-क्या सुविधाएं दी जा सकती हैं, इसे चिह्नित किया जाना भी आवश्यक है। इस संबंध में अगर कोई विशिष्ट सुझाव देना चाहते हैं तो अपने बहुमूल्य सुझाव दे सकते हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री की ओर से एक स्कैनर भी उपलब्ध कराया गया है।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 से बिहार में न्याय और विकास के साथ समाज के सभी वर्गों का उत्थान सुनिश्चित किया गया है और हर नागरिक को सम्मानपूर्वक जीवन यापन का अवसर मिला है।

सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 24 नवंबर 2005 को राज्य में जब से हम लोगों की सरकार बनी तब से न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर चलते हुए हम लोगों ने समाज के सभी वर्ग के लोगों के उत्थान एवं हर क्षेत्र के विकास के लिए काम किया है। हम लोगों ने पूरे बिहार को अपना परिवार माना है और सबके मान और सम्मान का पूरा ख्याल रखा है। अब राज्य में समाज के हर वर्ग के लोग सम्मान के साथ आसानी से जीवन व्यतीत कर सकें इसे लेकर हम लोगों ने गंभीरता से कार्य प्रारंभ कर दिया है। सीएम नीतीश ने कहा कि सात निश्चय-3 का सातवां निश्चय सबका सम्मान-जीवन आसान नागरिकों का जीवन सरल बनाने के लिए है। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने वर्ष 2025 से 2030 के लिए राज्य को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने हेतु सात निश्चय-3 के कार्यक्रमों को लागू किया है। सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय सबका सम्मान-जीवन आसान (इज ऑफ लिविंग) का उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम करना तथा उनके जीवन को और भी आसान बनाना है। सीएम नीतीश ने कहा कि सात निश्चय-3 के तहत वरिष्ठ नागरिकों को घर पर स्वास्थ्य, जांच और आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। सीएम नीतीश ने कहा कि सबसे पहले हम लोगों की कोशिश है कि राज्य के जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को जरूरत के समय उनके घर पर ही अति आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। इसके लिए सबसे पहले नर्सिंग सहायता की सुविधा घर पर मुहैया कराई जाएगी। साथ ही, पैथोलॉजी जांच जैसे ब्लड टेस्ट भी घर पर ही किए जा सकेंगे। ब्लड प्रेशर की जांच और ईसीजी जैसी महत्वपूर्ण जांचें भी अब बुजुर्गों के घर पहुंचकर उपलब्ध होंगी। फिजियोथेरेपी की सुविधा भी घर पर दी जाएगी। इसके अलावा, आपातकालीन स्थिति में सभी प्रकार की चिकित्सकीय सहायता तुरंत घर पर पहुंचाई जाएगी। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को घर पर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं और जनता से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। सीएम नीतीश ने आगे कहा कि राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधित उपरोक्त सभी सुविधाएं उन्हें घर पर ही मिल सकें, इसे लेकर हम लोगों ने स्वास्थ्य विभाग को तेजी से काम करने का निर्देश दिया है। राज्य के वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को आसान बनाने हेतु और क्या-क्या सुविधाएं दी जा सकती हैं।

माघ मेला शुरू, श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

GANDIV REPORTER

प्रयागराज। प्रयागराज में शुक्रवार को माघ मेला-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। संगम तट की ओर तड़के सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया, जहां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में आस्था की डुबकी लगाकर लोगों ने पुण्य लाभ अर्जित किया। पहले ही दिन मेले क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। इस दौरान प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया।

प्रशासन की व्यापक तैयारियां प्रभावी दिखीं : माघ मेला 3 जनवरी से शुरू होकर 15 फरवरी 2026 को महाशिवरात्रि तक चलेगा। इस दौरान कई प्रमुख स्नान पर्व और धार्मिक आयोजन होंगे। पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने व्यापक तैयारियां की थीं, जिनका असर जमीनी स्तर पर साफ दिखाई दिया। माघ मेले में अभूतपूर्व

सुरक्षा, 400 एआई सीसीटीवी, ड्रोन निगरानी, एनडीआरएफ-एसडीआरएफ और एटीएस सहित बहुस्तरीय तैनाती।

मेले की सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व बताई जा रही है। पूरे मेला क्षेत्र में 400 से अधिक एआई-इनेबल्ड सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनके जरिए हर गतिविधि पर 24 घंटे नजर रखी जा रही है। इसके अलावा ड्रोन के माध्यम से भी भीड़ और यातायात की लगातार निगरानी की जा रही है। जल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के गोताखोरों को संगम और आसपास के घाटों पर तैनात किया गया है। किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए एटीएस, बम डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीएस) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की भी तैनाती की गई है। मेला क्षेत्र को कई सेक्टरों में बांटकर पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

ड्रोन, एआई-इनेबल्ड कैमरे और सुरक्षा-ट्रैफिक टीमें तैनात : एडिशनल पुलिस कमिश्नर अजय पाल शर्मा ने बताया कि माघ मेला 2026 के पहले बड़े स्नान पर्व को लेकर सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर खास इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, आज माघ मेला 2026 का पहला बड़ा स्नान पर्व है। इसे देखते हुए इलाके की निगरानी के लिए ड्रोन, एआई-इनेबल्ड कैमरे और एआई-आधारित सिस्टम लगाए गए हैं, जिनके जरिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। हमारी ट्रैफिक और सुरक्षा टीमें जमीन पर मौजूद हैं ताकि सब कुछ सुचारू रूप से चलता रहे।

पुलिसकर्मियों को एक महीने से अधिक प्रशिक्षण दिया गया : उन्होंने आगे बताया कि सभी पुलिसकर्मियों को एक महीने से अधिक समय तक विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। भीड़ प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा से जुड़ी तमाम तरह की ट्रेनिंग पहले ही पूरी कर ली गई थी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए हर जगह हमारी टीमें तैनात हैं और सभी श्रद्धालु सुगमता के साथ स्नान कर वापस जा रहे हैं।

पहाड़ों पर बर्फबारी, उत्तर भारत में कोहरे का कहर, माउंट आबू में शून्य पर पहुंचा पारा

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और लद्दाख के पहाड़ों पर बर्फबारी के बाद चली शीतलहर की वजह से उत्तर भारत इस समय कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की चपेट में है। राजस्थान के माउंट आबू में इस मौसम में पहला बार पारा शून्य डिग्री पर पहुंचा। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 5-6 जनवरी तक घने कोहरे की चेतावनी जारी की है।

आईएमडी के अनुसार, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में हल्की से मध्यम बर्फबारी और बारिश हो रही है, जबकि मैदानी इलाकों में घना कोहरा और शीत लहर का कहर जारी है। पंजाब, हरियाणा, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश, उत्तर मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और तटीय तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई। बारिश की वजह से तापमान में और गिरावट आ सकती है। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में कई स्थानों पर कोल्ड डे की भी संभावना है।

उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब समेत पिथौरागढ़ में बर्फ गिरी जिससे निचले इलाकों में ठंड बढ़ गई है। 7 शहरों में तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया। बद्रीनाथ में माइनस 13 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा और असम समेत कई राज्यों सुबह घना कोहरा छाया रहा। इन राज्यों में शीतलहर का कहर भी दिखाई दे रहा है। विजिबिलिटी बेहद कम है। कड़ाके की ठंड से बचने के लिए लोगों ने अलाव का सहारा लिया। कोहरे की वजह से कई उड़ानें लेट हुईं और फ्लाइट ऑपरेशन प्रभावित हुए।

खराब मौसम को देखते हुए लोगों को सड़क यात्रा के दौरान सावधानी बरतने और गर्म कपड़े पहनने के साथ ठंड से बचाव के लिए जरूरी इंतजाम करने की सलाह दी गई है। राजस्थान में सीकर, हनुमानगढ़ समेत 10 जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी किया गया।

बांग्लादेशी छात्र नेता ने थाने में कबूली हिंदू पुलिस अफसर की हत्या की बात

GANDIV REPORTER

ढाका। बांग्लादेश से एक आए वीडियो ने मोहम्मद यूनुस के राज में चरमपंथियों को मिली खुली छूट की पोल खोल दी है। इस वीडियो में बांग्लादेश का एक युवा नेता एक हिंदू पुलिस अधिकारी की हत्या के बारे में खुलेआम शेखी बघारते देखा जा सकता है। यह वीडियो खोजी पत्रकार और लेखकर शाहिदुल हसन खोकन ने पर शेयर किया है। उन्होंने बोलने वाले युवा नेता की पहचान हबीगंज जिले के छात्र कोऑर्डिनेटर के रूप में की है। वीडियो में वह एक पुलिस स्टेशन के अंदर बैठकर ऑफिसर इन-चार्ज को धमका रहा है और कहता है कि स्टेशन को जला देगा।

हिंदू पुलिस अफसर की हत्या का कबूलनामा : वह खुलेआम कहता है कि जुलाई आंदोलन (2024) के दौरान उसने बनियाचोंग पुलिस

स्टेशन में आग लगा दी थी। वह इतने पर ही नहीं रुकता और कहता है कि हमने हिंदू अफसर रक संतोष को जला दिया था। इस वीडियो ने मोहम्मद यूनुस के राज में कानून व्यवस्था की कलई खोल दी है। जहां एक पुलिस स्टेशन को जलाने और पुलिस अफसर को मारने का आरोपी पुलिस स्टेशन के अंदर बैठकर पुलिस को ही धमकी दे रहा है। हालांकि, वीडियो की सच्चाई और बोलने वाले की पहचान की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन इन दावों ने सब इंस्पेक्टर संतोष भाभू की हत्या पर फिर से ध्यान खींचा है। हबीगंज जिले के बनियाचोंग पुलिस स्टेशन में तैनात संतोष भाभू 5 अगस्त 2024 को भीड़ के हाथों मारे गए थे। पुलिस स्टेशन पर हमला कर दिया। यह घटना तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने के कुछ घंटे पहले हुई थी। आत्मरक्षा बताते हुए संतोष भाभू और अन्य पुलिसकर्मियों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोलियां चलाईं जिससे मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई।

रूसी जहाज पर रहस्यमय ब्लास्ट

मॉस्को। स्पेन के अखबार ला वेरदाद ने रिपोर्ट किया है कि रूसी जहाज उर्सा माजो में एक रहस्यमय धमाका हुआ है। अखबार ने बताया है कि 23 दिसंबर 2024 को काटार्जेना से 60 मील दक्षिण में भूमध्य सागर में रूसी जहाज एक धमाके से डूब गया था। इस दौरान वह रूस से उत्तर कोरिया तक दो श्ट-4रऋ न्यूक्लियर रिएक्टर कोर के ढांचे ले जा रहा था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पानी के नीचे हुए एक रहस्यमय धमाके की वजह से ये जहाज डूब गया था और इसके पीछे गहरी जासूसी और साजिश हो सकती है। स्पेनिश समुद्री जांच रिपोर्ट (8059/24-एरूङ्ग१) में दावा किया गया है कि जहाज में दो ऐसे भारी कंटेनर थे, जो मैनिफेस्ट में दर्ज नहीं थे और जिन्हें नीले तिरपाल से ढका गया था। जांचकताओं के मुताबिक यह महज एक हादसा नहीं, बल्कि बहुत बड़ी साजिश और जासूसी का हिस्सा हो सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में जमीन के नीचे मिला खजाना, खोजा गया सबसे बड़ा लौह अयस्क भंडार

GANDIV REPORTER

कैनबरा। दुनिया भर में अपनी खनिज संपदा के लिए मशहूर ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी-पश्चिमी इलाके में वैज्ञानिकों को जमीन के नीचे विशाल खजाने के सबूत मिला है। हाल ही में हुई एक जियोलॉजिकल स्टडी में शोधकताओं को जो जानकारी मिली है, उसने इस इलाके के बारे में फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के हैमर्सले बेसिन में मुख्य जगहों पर इस्तेमाल की गई नई डेटिंग तकनीकों से ऐसे नतीजे मिले हैं, जो पिछले अनुमानों से बहुत अलग हैं। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित एक स्टडी ने साबित किया है कि लोहे के अयस्क के विशाल भंडार 1.4 से 1.1 अरब साल पहले बने थे।

5.7 ट्रिलियन डॉलर का भंडार : पहले के अध्ययन अयस्कीकरण को 2.2 से 2.0 अरब साल पहले के दौरान बताते हैं। शोध के अनुसार, इस डिपॉजिट में 55 अरब मीट्रिक टन लौह अयस्क है, जो अब दर्ज किए गए सबसे बड़े भंडार में से एक है। मौजूदा लौह अयस्क की कीमतों के आधार पर इसका कुल मूल्य 5.7 ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक है। हालांकि, शोधकताओं का जोर इसकी व्यवसायिक क्षमता के बजाय वैज्ञानिक महत्व पर है। ऑस्ट्रेलिया पहले से ही दुनिया के अग्रणी लौह अयस्क के निर्यातक के रूप में जाना जाता है। ऐसे में हैमर्सले बेसिन की यह खोज और भी अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है। जियोसाइंस ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, देश ने 2022 में दुनिया के 35% से अधिक लौह अयस्क निर्यात की आपूर्ति अकेले की है। रिसर्च में शामिल एक प्रमुख संस्थान कर्टिन यूनिवर्सिटी ने इस खोज पर एक प्रेस रिलीज में मिनरल एक्सप्लोरेशन रणनीतियों के लिए इसके प्रभावों पर प्रकाश डाला है और इसे अन्य क्षेत्रों में इसी तरह के डिपॉजिट की पहचान करने के लिए एक संभावित टर्निंग पॉइंट बताया है।

मुस्तफिजुर रहमान आईपीएल में नहीं खेलेंगे, बीसीसीआई ने दिया आदेश

GANDIV REPORTER

मुंबई। बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 2026 इंडियन प्रीमियर लीग सीजन से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज करने का निर्देश दिया है।बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 2026 इंडियन प्रीमियर लीग सीजन से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज करने का निर्देश दिया है। इस बात की पुष्टि इंडिया टुडे को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने खास तौर पर की, जिससे लीग में इस तेज गेंदबाज के भविष्य को लेकर कई दिनों से चल रही अटकलों पर विराम लग गया। मुस्तफिजुर को केकेआर ने दिसंबर 2025 में आईपीएल 2026 के मिनी-ऑक्शन में 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिस पर तुरंत सबका ध्यान गया था। हालांकि, यह साइनिंग जल्द ही विवादों में घिर गई, जिसमें राजनीतिक गलियारों और विभिन्न धार्मिक समूहों के कुछ हिस्सों से विरोध सामने आया। नीलामी के बाद के दिनों में यह विरोध और तेज हो गया। सैकिया ने बोर्ड के फैसले के बारे में बताया और पुष्टि की कि फ्रेंचाइजी को बांग्लादेश के इस इंटरनेशनल खिलाड़ी से अलग होने के लिए औपचारिक रूप से निर्देश दिया गया है। सैकिया ने कहा, रहाल के घटनाक्रमों को देखते हुए, बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी केकेआर को अपने एक खिलाड़ी, बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज करने का निर्देश दिया है। उन्होंने आगे कहा, बीसीसीआई ने यह भी कहा है कि अगर वे किसी रिप्लेसमेंट की मांग करते हैं, तो बीसीसीआई उस रिप्लेसमेंट की अनुमति देगा। मुस्तफिजुर को टीम में शामिल करने को लेकर विवाद तब और बढ़ गया जब बीजेपी नेता कौस्तव बागची ने कोलकाता में होने वाले आईपीएल मैचों में बांग्लादेशी खिलाड़ियों की भागीदारी पर सार्वजनिक रूप से आपत्ति जताई। उनके बयानों के बाद कई तरफ से आलोचना हुई, कुछ लोगों ने तो डऊफ के सह-मालिक और बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान को भी नीलामी में इस साइनिंग का समर्थन करने के लिए निशाना बनाया। हालांकि बीसीसीआई ने सीधे तौर पर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन सैकिया के बयान से यह साफ हो गया कि बोर्ड ने दखल देने से पहले पूरी स्थिति का जायजा लिया था। मुस्तफिजुर को रिलीज करने का निर्देश एक एहतियाती कदम माना जा रहा है, जिसका मकसद आईपीएल 2026 की तैयारियों में तेजी आने के साथ-साथ और जटिलताओं से बचना है। क्रिकेट के नजरिए से, इस फैसले से केकेआर के विदेशी तेज गेंदबाजी संसाधनों में एक कमी आ गई है। मुस्तफिजुर, जो अपनी विविधताओं और लिमिटेड-ओवर्स क्रिकेट में अपनी प्रभावशीलता के लिए जाने जाते हैं, उनसे खासकर धीमी पिचों पर अहम भूमिका निभाने की उम्मीद थी। हालांकि, बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी को भरोसा दिलाया है कि अगर वे चाहें तो उन्हें रिप्लेसमेंट खिलाड़ी साइन करने की इजाजत दी जाएगी।

भारतीय टीम करेगी बांग्लादेश का दौरा, खेली जाएंगी वनडे और टी20 सीरीज

GANDIV REPORTER

मुंबई। भारतीय टीम साल 2026 में बांग्लादेश का दौरा करेगी। इसके अलावा, बांग्लादेश साल 2026 में तीनों फॉर्मेट में द्विपक्षीय सीरीज के लिए पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की है।

भारत का बांग्लादेश दौरा असल में अगस्त 2025 में होना था, लेकिन देश में राजनैतिक अशांति के कारण इसे सितंबर 2026 तक स्थगित कर दिया गया। बीसीबी के नए कार्यक्रम के अनुसार, भारत 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगा। दोनों देशों के बीच 1 सितंबर से वनडे सीरीज की शुरूआत होगी। इसके बाद 3 और 6 सितंबर को शेष दो मुकाबले खेले जाने हैं। दोनों टी20 सीरीज की शुरूआत 9 सितंबर से होगी। दूसरा मैच 12 सितंबर को होगा। इसके बाद 13 सितंबर को तीसरे मुकाबले का आयोजन होगा। इससे पहले, पाकिस्तान 12-16 मार्च के बीच खेले जाने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 9 मार्च को बांग्लादेश पहुंचेगा। न्यूजीलैंड की टीम बांग्लादेश के दौरे पर 17 अप्रैल से तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेलेगी। इसके बाद दोनों देशों के बीच 27 अप्रैल से 2 मई के बीच इतने ही टी20 मैच खेले जाएंगे। पाकिस्तान आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल के हिस्से के तौर पर दो टेस्ट खेलने के लिए 4 मई को बांग्लादेश पहुंचेगा। पहला टेस्ट 8-12 मई तक खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 16-20 मई तक होगा। ऑस्ट्रेलिया का व्हाइट-बॉल टूर 5 जून को तीन वनडे मुकाबलों के साथ शुरू होगा, जिसके बाद 15-20 जून तक तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। भारत की मेजबानी करने के बाद, बांग्लादेशी टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। 22-24 अक्टूबर तक होने वाले तीन दिवसीय वार्म-अप मैच के बाद, पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक होगा, जबकि दूसरा मुकाबला 5-9 नवंबर के बीच खेला जाना है। बीसीबी ने कहा कि श्रीलंका ए टीम भी मई 2026 में मेजबान ए टीम के खिलाफ बांग्लादेश का दौरा करेगी।

टी20 वर्ल्ड कप : साउथ अफ्रीकी टीम घोषित

टिस्टन स्टब्स बाहर, ब्रेविस-मफाका को मिला मौका

GANDIV REPORTER

प्रिटोरिया। साउथ अफ्रीका ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है, जिसकी कमान एडेन मार्करम को सौंपी गई है। उनके साथ युवा तेज गेंदबाज क्वेना मफाका और टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज जेसन स्मिथ को शामिल किया गया है। हालांकि, रयान रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स इस टीम में जगह नहीं बना सके हैं। स्मिथ का चयन उनकी हालिया शानदार फॉर्म के कारण हुआ है। स्मिथ ने 2024 में अपना टी20 डेब्यू किया था और उनका स्ट्राइक रेट 128.30 है। वह फिलहाल एसए20 में एमआई केपटाउन के लिए खेल रहे हैं।

स्मिथ और मफाका के अलावा, कॉर्बिन बॉश, देवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, डोनोवन फरेरा और जॉर्ज लिंडे को पहली बार टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल किया गया है।

हेड कोच शुक्री कॉनराड ने कहा, हम उपमहाद्वीप में लौट रहे हैं, जहां हमने हाल ही में मेजबान भारत के खिलाफ खेला था। उन परिस्थितियों में खेलने से हमें जो अनुभव मिला है, वह निश्चित रूप से इस टूर्नामेंट में हमारे लिए फायदेमंद होगा। वर्ल्ड कप टीम के लिए चुने गए कई खिलाड़ी उस दौरे पर थे और उन्होंने उन पिचों का अनुभव किया है जिनका सामना हमें शायद करना पड़ेगा। जब हम भारत पहुंचेंगे तो यह उनके लिए बहुत काम आएगा। वर्ल्ड कप के लिए रवाना होने से पहले हमने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी है, जिसके लिए इस महीने के अंत में टीम का ऐलान किया जाएगा।

कगिसो रबाडा पसली की चोट के कारण भारत के खिलाफ हालिया व्हाइट बॉल दौरे से बाहर रहे थे, जिसके बाद उन्हें विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। साउथ अफ्रीका की इस टीम में तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्त्जे का नाम भी शामिल है, जो टी20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के लिए सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाले गेंदबाज थे।

भारत और श्रीलंका की सह-मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरूआत 7 फरवरी से होगी। इसका फाइनल 8 मार्च को खेला जाना है। साउथ अफ्रीकी टीम को ग्रुप डी में अफगानिस्तान, कनाडा, न्यूजीलैंड और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ रखा गया है। यह टीम 9 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कनाडा के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी।

साउथ अफ्रीकी टीम : एडेन मार्करम (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, देवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जोरजी, डोनोवन फरेरा, मार्को जानसेन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्त्जे, कगिसो रबाडा और जेसन स्मिथ।

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शर्मनाक हार

गैबॉन सरकार का बड़ा ऐक्शन, पूरी फुटबॉल टीम सस्पेंड

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। अफ्रीका कप ऑफ नेशंस 2025 के ग्रुप स्टेज से बाहर होने पर गैबॉन की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को सरकार ने निलंबित कर दिया है, जिससे फुटबॉल जगत में हलचल मच गई है। टीम के निराशाजनक प्रदर्शन, खासकर आइवरी कोस्ट के खिलाफ आखिरी मिनटों में मिली हार के बाद, यह कठोर कदम उठाया गया है।

एक टूर्नामेंट में उतरी गैबॉन की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को अफ्रीका कप ऑफ नेशंस 2025 में करारी निराशा हाथ लगी। ग्रुप स्टेज से बाहर होने के बाद अब गैबॉन सरकार ने बड़ा और सख़्त फैसला लेते हुए पूरी राष्ट्रीय टीम को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया।

बता दें कि टूर्नामेंट में शर्मनाक प्रदर्शन के बाद कोचिंग स्टाफ को भी भंग कर दिया गया है। मुख्य कोच थियरी मायोमा, जो खुद गैबॉन के लिए 30 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं, अब इस जिम्मेदारी में नहीं रहेंगे। इसके साथ ही टीम के दो सबसे बड़े नाम कप्तान ब्रूनो एकुएले मंगा और स्टार स्ट्राइकर पियरे-एमरिक ऑबामेयांग को भी टीम से बाहर कर दिया गया।

मौजूद जानकारी के अनुसार, गैबॉन ने अपने पहले दो मुकाबले गंवा दिए थे और आखिरी ग्रुप मैच में मौजूदा चैंपियन आइवरी कोस्ट के खिलाफ 2-0 की बढ़त लेने के बावजूद आखिरी मिनटों में मैच 3-2 से हार गया। बाजौमाना तूरे ने स्टॉपेज टाइम में निर्णायक गोल दागा, जिससे गैबॉन ग्रुप एफ में सबसे नीचे रहा।

गौरतलब है कि इसके बाद गैबॉन सरकार ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि टीम का प्रदर्शन देश के मूल्यों और खेल भावना के बिल्कुल विपरीत है। सरकार ने तकनीकी स्टाफ को भंग करने, राष्ट्रीय टीम को निलंबित करने और ऑबामेयांग व एकुएले मंगा को टीम से हटाने का फैसला लिया है। साथ ही फुटबॉल महासंघ से भी पूरी जिम्मेदारी लेने को कहा गया।

बताया गया है कि ऑबामेयांग, जो गैबॉन के सर्वकालिक सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं, अंतिम मुकाबले से पहले चोट के चलते फ्रांस लौट गए थे। वहीं कप्तान ब्रूनो एकुएले मंगा को आखिरी मैच में प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया था।

गौरतलब है कि इससे पहले भी गैबॉन को झटका लगा था जब वह फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिफाई नहीं कर सका। टीम ने क्वालिफायर्स में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन प्ले-ऑफ सेमीफाइनल में नाइजीरिया से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी।

फिलहाल सरकार के इस फैसले से गैबॉन फुटबॉल में भूचाल आ गया है और आने वाले समय में प्रशासनिक और संरचनात्मक बदलाव तय माने जा रहे हैं।

हर मंडल मुख्यालय पर बनाएंगे स्पोर्ट्स कॉलेज : योगी

GANDIV REPORTER

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में खेल मैदान, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिले स्तर पर बड़ा स्टेडियम बनवाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के साथ सरकार हर मंडल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज बनाया जाएगा।

सीएम योगी सोमवार को गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विधायक खेल स्पर्धा - 2025 के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर को लगातार सुदृढ़ कर रही है। गोरखपुर में बेलीपार के पास एक इंटरनेशनल स्टेडियम बनने जा रहा है। गोरखपुर के रीजनल स्टेडियम का भी 63 करोड़ रुपये की लागत से नवोद्धार हो रहा है। वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में भी बेहतरीन स्टेडियम बन रहा है। मेरठ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का सत्र प्रारंभ हो चुका है। इस यूनिवर्सिटी का विश्व स्तरीय निर्माण जारी है। अब सरकार की तैयारी हर मंडल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज बनाने की है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वह जल्द ही गोरखपुर महानगर की सभी संस्थाओं के साथ बैठक करने वाले हैं। उस बैठक में संस्थाओं का आह्वान किया जाएगा कि वे एक-एक खेल को गोद लें। कुछ सहयोग वे करें और कुछ सरकार करेगी। यहां पर अच्छे कोच रखे जाएंगे। इससे बच्चों को खेल के लिए एक बेहतर प्लेटफार्म प्राप्त होगा।

अगली बार कामकाजी और रिटायर्ड लोगों के लिए भी होंगी प्रतियोगिताएं : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक खेल स्पर्धा को लेकर अपनी आगामी योजना भी साझा की। उन्होंने कहा कि अगली बार बच्चों और छात्रों के स्तर के साथ ही वार्ड स्तर पर कामकाजी और रिटायर्ड लोगों के लिए भी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वार्ड स्तर, उसके बाद कुछ वार्डों को मिलाकर उपनगरीय और फिर नगर स्तर पर बड़ी प्रतियोगिता, बड़े समारोह का आयोजन कर विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बच्चों-छात्रों की प्रतियोगिताएं बालक व बालिका वर्ग में तीन स्तर, बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा पर होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे ही गोरखपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए भी कहा गया है। कला के अलग अलग विधाओं गायन, वादन, नृत्य, नाट्य आदि की यह प्रतियोगिता जनवरी के प्रथम सप्ताह में होगी। 11 से 13 जनवरी को गोरखपुर महोत्सव के मुख्य आयोजन में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

खेलेगा युवा तो खिलेगा देश

सीएम योगी ने खेलकूद के महत्व को समझाते हुए कहा कि युवा खेलेगा तो देश खिलेगा। विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने का रास्ता यहीं से प्रारंभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में सफलताओं का मार्ग स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकता है। स्वस्थ शरीर खेलकूद और यौगिक क्रियाओं के माध्यम से ही प्राप्त होगा।

11 वर्ष में खेल के क्षेत्र में हुआ भारी परिवर्तन : मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्ष के अंदर देश में खेल और खेलकूद की गतिविधियों को लेकर भारी परिवर्तन हुआ है। कबड्डी, हॉकी, बैडमिंटन, एथलेटिक्स के लिए पूरी दुनिया भारत की तरफ देखती है। ओलंपिक, एशियाड, कॉमनवेल्थ, वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा की एक नई मांग खड़ी हो चुकी है और इसी को ध्यान में रख करके सरकार स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर को लगातार मजबूत कर रही है।

मुख्यमंत्री ने भीषण ठंड में भी खिलाड़ियों के उत्साह की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि इस विधायक खेल स्पर्धा में प्रत्यक्ष रूप से 1000 और अप्रत्यक्ष रूप से 10000 खिलाड़ियों ने सहभागिता की है। विधायक खेल स्पर्धा 2025 में एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबाल, जूडो और कुश्ती प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि यह खेलकूद ही है जो सम और विषम परिस्थितियों में मनोरंजन भी करता है और हमें शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक रूप से चुस्त-दुरुस्त बनाने में भी बड़ी भूमिका का निर्वहन करता है।

सीएम के नेतृत्व में बिना भेदभाव खिलाड़ियों को मिल रहा अवसर : संजय निषाद

इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मत्स्य विभाग के मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हरेक क्षेत्र की भांति खेल के क्षेत्र में भी बिना भेदभाव सभी खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने यूपी से माफिया खत्म करके, बंदूक-कट्टे के खेल की बजाय वास्तविक अर्थों में खेल का माहौल बना दिया है। डॉ. संजय निषाद ने कहा खेलों के उन्नयन और खिलाड़ियों के संवर्धन के लिए योगी सरकार प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

सीएम के नेतृत्व में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के हुए ऐतिहासिक कार्य : गिरीश चंद्र यादव

विधायक खेल स्पर्धा के पुरस्कार वितरण समारोह में प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि सीएम योगी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने और खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में प्रदेश में हर ग्राम पंचायत में खेल मैदान और ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम बनाने का कार्य तीव्र गति से जारी है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गांव-देहात तक के बच्चों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उत्कृष्ट संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं। सीएम योगी, पीएम मोदी के सपने खेलेगा इंडिया, आगे बढ़ेगा इंडिया को साकार कर रहे हैं।

71 पर बड़ौदा की आधी टीम हो गई थी आउट

फिर हार्दिक पंड्या बने संकटमोचक, सिर्फ इतनी गेंद में बना डाला शतक

GANDIV REPORTER

राजकोट। निरंजन शाह स्टेडियम में बड़ौदा और विदर्भ के बीच विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 का ग्रुप स्टेज मुकाबला खेला गया। इस मैच में भारत के स्टार और अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने भी भाग लिया। हार्दिक ने विजय हजारे में उतरते ही अपनी क्लास दिखा दी। हार्दिक ने अपनी टीम को मुश्किल से निकालते हुए दमदार शतक ठोक डाला।

विजय हजारे ट्रॉफी में भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का बल्ला जमकर बोला। उन्होंने विदर्भ के खिलाफ महज 68 गेंद में शतक ठोका डाला। उन्होंने अपनी टीम को मुश्किल से निकाला।

हार्दिक पंड्या ने 68 बॉल में ठोकी सेंचुरी : विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के सीजन में हार्दिक पंड्या पहली बार खेलने उतरे थे। विदर्भ ने बड़ौदा के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। विदर्भ ने आधी बड़ौदा की टीम को 71 रन पर आउट भी कर दिया था। बड़ौदा की टीम जल्दी ऑल आउट हो सकती थी। लेकिन, बीच में हार्दिक पंड्या आ गए। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे हार्दिक पंड्या ने अपनी टीम को परेशानियों से निकाला और 68 बॉल में शतक ठोक डाला। उन्होंने 92 गेंद का सामना कर 144.57 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 133 रन बनाए। हार्दिक पंड्या ने अपनी पारी में 8 चौके और 11 छक्के लगाए। बता दें कि हार्दिक 62 गेंद में 68 रन बनाकर खेल रहे थे। फिर उन्होंने अगली 6 बॉल में शतक पूरा कर दिया। उन्होंने 5 छक्के और फिर 1 चौका लगाया।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले शानदार फॉर्म में हार्दिक पंड्या : टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आगाज 7 फरवरी से होने वाला है। उससे पहले हार्दिक पंड्या का इस फॉर्म में होना भारत के लिए अच्छे साइन हैं। पंड्या बल्ले और गेंद दोनों से आग उगल रहे हैं।

बड़ौदा ने दिया 294 रन का टारगेट : विदर्भ के खिलाफ निर्धारित 50 ओवर में बड़ौदा ने 9 विकेट के नुकसान पर 293 रन बनाए। हार्दिक पंड्या के अलावा कोई खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। अंत में महेश पिठिया और करण उमट ने 18-18 रन बनाए। विदर्भ ने आधी बड़ौदा की टीम को 71 रन पर आउट भी कर दिया था। बड़ौदा की टीम जल्दी ऑल आउट हो सकती थी। लेकिन, बीच में हार्दिक पंड्या आ गए। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे हार्दिक पंड्या ने अपनी टीम को परेशानियों से निकाला और 68 बॉल में शतक ठोक डाला। उन्होंने 92 गेंद का सामना कर 144.57 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 133 रन बनाए।

कई साल बाद साथ दिखेंगे अक्षय कुमार और विद्या बालन

बॉलीवुड में एक बार फिर हंसी का तड़का लगने वाला है। मशहूर निर्देशक अनीस बज्मी अपनी अगली कॉमेडी फिल्म की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं, जिसमें अक्षय कुमार और विद्या बालन की जोड़ी नजर आएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग 15 जनवरी से शुरू होकर 20 जनवरी तक चलेगी। लंबे समय बाद दोनों कलाकार एक साथ स्क्रीन पर दिखाई देंगे, जिससे दर्शकों की उत्सुकता काफी बढ़ गई है।

यह फिल्म अनीस बज्मी, अक्षय कुमार और विद्या बालन की एक तरह से री-यूनियन भी है। इससे पहले ये तीनों साल 2011 में आई कॉमेडी फिल्म थैंक यू में साथ काम कर चुके हैं। अनीस बज्मी की पहचान हल्की-फुल्की, मनोरंजक और परिवार के साथ देखी जाने वाली कॉमेडी फिल्मों के लिए है, और उनकी यह नई फिल्म भी उसी अंदाज में बनने वाली है।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, अनीस बज्मी इस फिल्म में अक्षय कुमार और विद्या बालन की कॉमिक ताकत का पूरा इस्तेमाल करने वाले हैं। जहां अक्षय कुमार अपनी बेहतरीन टाइमिंग और सहज कॉमेडी के लिए जाने जाते हैं, वहीं विद्या बालन भूल भुलैया जैसी फिल्मों में अपने मजेदार अंदाज से दर्शकों को चौंका चुकी हैं। फिल्म में बज्मी स्टाइल के मजेदार सीन और हल्के-फुल्के पल देखने को मिलेंगे।

विद्या बालन के जन्मदिन के बाद शुरू होगी शूटिंग

दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म की शूटिंग से ठीक पहले विद्या बालन ने 1 जनवरी को अपना 47वां जन्मदिन मनाया। उन्होंने यह खास दिन बेहद सादगी के साथ मनाया और पैपराजी के साथ केक काटा। काले रंग के सिंपल आउटफिट में विद्या काफी खुश और रिलैक्स नजर आईं। नए साल की यह शांत शुरूआत उनके लिए एक नई फिल्म के साथ व्यस्त शेड्यूल की ओर इशारा करती है।

मंजुलिका के किरदार को लेकर अनीस बज्मी का भरोसा

इससे पहले 2024 में अनीस बज्मी ने पिंकविला से बातचीत में विद्या बालन की कास्टिंग को लेकर खुलकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि अगर कोई भी मंजुलिका का किरदार निभा सकता है, तो वह विद्या बालन ही हैं, क्योंकि उस रोल में उन्हें दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला था। बज्मी के मुताबिक, विद्या ने कहानी सुनते ही उससे जुड़ाव महसूस किया और पहले दस मिनट में ही फिल्म करने का मन बना लिया।

फिर से साथ दिखेगी हिट जोड़ी

जनवरी के मध्य में शूटिंग शुरू होने के साथ ही यह फिल्म एक हाई-एनर्जी कॉमेडी के रूप में सामने आ रही है। अनीस बज्मी के निर्देशन में अक्षय कुमार और विद्या बालन की जोड़ी एक बार फिर दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। ऐसे में यह फिल्म आने वाले समय की सबसे चर्चित कॉमेडी फिल्मों में शामिल हो सकती है।

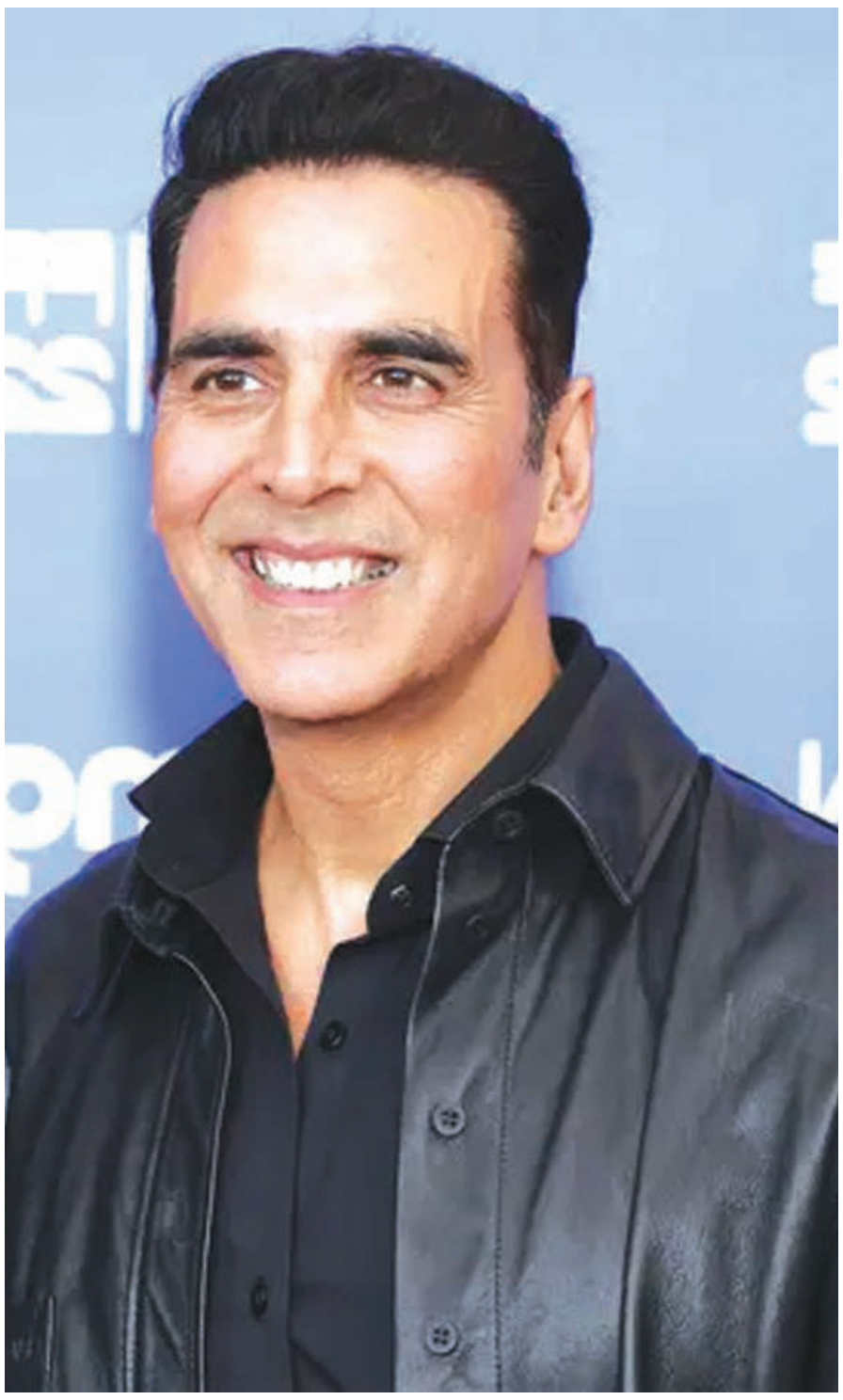

मलाइका अरोरा को नहीं अरबाज खान संग तलाक का पछतावा, 51 साल की उम्र में रचाएंगी दूसरी शादी!

मलाइका अरोरा अपनी पसर्नल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं। मलाइका ने साल 1997 में अरबाज खान संग शादी रचाई थी। दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री भी काफी चर्चा में रहती थी। लेकिन शादी के 20 साल बाद मलाइका और अरबाज ने तलाक ले लिया था।

इसके बाद मलाइका की जिंदगी में अर्जुन कपूर की एंट्री हुई। दोनों ने काफी समय तक एक दूसरे को डेट किया। अक्सर दोनों की शादी की खबरें भी सामने आती थी। हालांकि बाद में यह कपल भी अलग हो गया। वहीं अरबाज खान शूरा खान दूसरी शादी रचा चुके हैं।

हाल ही में इंडिया टुडे संग बातचीत में मलाइका अरोरा ने अपनी शादी टूटने को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि तलाक के बाद उन्हें काफी गलत तरीके से जज किया गया था। मलाइका ने कहा कि उन्होंने साल 2016 में अरबाज खान संग तलाक अनाउंस कर दिया था, जबकि उनका डिवोर्स साल 2017 में फाइनल हुआ।

मलाइका ने कहा, मुझे एहसास हो गया था कि खुश रहने के लिए मूव ऑन करना जरूरी है। मगर किसी ने ये नहीं समझा था। हर किसी ने मुझपर सवाल उठाए थे और कहा था- तुम अपनी खुशी को सबसे ऊपर कैसे रख सकती हो? लेकिन मैं ऐसा करके खुश थी। मुझे लगा था कि इससे मेरे साथ कितना बुरा हो जाएगा?

उन्होंने कहा, मुझे न केवल पब्लिक से, बल्कि अपने दोस्तों और परिवार से भी बहुत आलोचना और विरोध का सामना करना पड़ा था। उस समय मुझसे मेरे सभी फैसलों के बारे में सवाल किए गए थे। फिर भी, मुझे बहुत खुशी है कि मैं अपने फैसलों पर अडिग रही। मुझे कोई पछतावा नहीं है।

मलाइका ने कहा, दुर्भाग्य से आदमियों से ये सभी सवाल कभी नहीं पूछे जाते। कहीं न कहीं, यह बस मान लिया जाता है कि हम एक पुरुष-प्रधान समाज में रहते हैं और चीजें ऐसी ही होती हैं। जब पुरुषों की बात आती है, तो कभी कोई आलोचना नहीं की जाती। दुर्भाग्य से, महिलाओं को हर रोज इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है।

मलाइका ने कहा, मैं शादी में यकीन रखती हूं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि ये मेरे लिए ही बनी है। अगर होती भी है तो अच्छी बात है, लेकिन मैं शादी के पीछे नहीं भाग रही। मैं खुद में बहुत संतुष्ट हूं। मेरी शादी हुई थी। फिर मैंने इससे मूव ऑन कर लिया। मैं रिश्तों में रह चुकी हूं। पर मैं हताश नहीं हूं।

एक्ट्रेस ने कहा, मैं आज भी अपनी जिंदगी से प्यार करती हूं। मैं प्यार के आइडिया से प्यार करती हूं। मुझे प्यार करना और प्यार बांटना पसंद है। मैं प्यार के लिए पूरी तरह से ओपन हूं, लेकिन मैं इसे तलाश नहीं रही हूं। अगर यह नेचुरली हो जाता है और अगर यह मेरी जिंदगी में दस्तक देता है, तो मैं इसे स्वीकार करूंगी। सवाल कभी नहीं पूछे जाते। कहीं न कहीं, यह बस मान लिया जाता है कि हम एक पुरुष-प्रधान समाज में रहते हैं और चीजें ऐसी ही होती हैं। जब पुरुषों की बात आती है, तो कभी कोई आलोचना नहीं की जाती। दुर्भाग्य से, महिलाओं को हर रोज इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। मलाइका ने कहा, मैं शादी में यकीन रखती हूं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि ये मेरे लिए ही बनी है। अगर होती भी है तो अच्छी बात है, लेकिन मैं शादी के पीछे नहीं भाग रही।

कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन ने स्टेबिन बेन से की सगाई

शादी की अफवाहों के बीच, एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन और एक्ट्रेस नूपुर सेनन ने आखिरकार अपने रिश्ते को पब्लिक कर दिया है। उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड और सिंगर स्टेबिन बेन के एक सपनों जैसे प्रपोजल में ह्यहांह्ल कहा। नूपुर ने प्रपोजल की तस्वीरें पोस्ट करके यह खबर शेयर की। तस्वीरों में कृति सेनन भी अपनी बहन और होने वाले जीजा को गले लगाते हुए दिख रही हैं। तस्वीरों में कपल सेनन के माता-पिता को वीडियो कॉल करते हुए भी दिख रहा है। स्टेबिन ने नूपुर को प्रपोज किया

नूपुर सेनन ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में, स्टेबिन बेन घुटनों पर बैठकर नूपुर को प्रपोज करते हुए दिख रहे हैं, उनके पीछे विल यू मैरी मी लिखा हुआ है। दूसरी तस्वीर में नूपुर अपनी अंगूठी दिखा रही हैं। एक तस्वीर में कृति सेनन नूपुर और स्टेबिन को गले लगाते हुए दिख रही हैं। हालांकि कृति का चेहरा साफ नहीं दिख रहा है, लेकिन यह तेरे इश्क मेंएक्ट्रेस ही लग रही हैं।

नूपुर ने अपने माता-पिता को किए गए वीडियो कॉल की एक तस्वीर भी शेयर की। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए नूपुर ने लिखा, शायद से भरी दुनिया में, मुझे सबसे आसान हां मिल गया जो मुझे कभी कहना पड़ा। शादी 11 जनवरी को उदयपुर में होने वाली है?

सगाई एक यॉट पर हुई, शायद मुंबई में। इस खास पल के लिए, नूपुर ने एक खूबसूरत फ्लोरल ड्रेस पहनी थी, जबकि स्टेबिन नीले सूट में दिखे।

नूपुर और स्टेबिन की शादी की खबरें काफी समय से चल रही हैं और ऐसा लगता है कि नूपुर और स्टेबिन 11 जनवरी को उदयपुर में शादी कर सकते हैं। शादी एक प्राइवेट फंक्शन होने की उम्मीद है और कथित तौर पर बाद में मुंबई में एक ग्रैंड रिसेप्शन भी प्लान किया गया है।

हालांकि, न तो परिवार और न ही कपल ने अभी तक शादी की अफवाहों के बारे में कोई ऑफिशियल बयान जारी किया है। लेकिन यह प्रपोजल अब उनकी शादी के बारे में अटकलों को और हवा दे रहा है।

फिल्म धुरंधर : लगातार 28 दिनों तक डबल डिजिट में कमाई की

आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी एक्शन-स्पाई थ्रिलर फिल्म धुरंधर ने न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता, बल्कि बॉक्स ऑफिस पर ऐसे रिकॉर्ड भी बनाए जो पहले किसी हिंदी फिल्म ने हासिल नहीं किए थे। 5 दिसंबर को रिलीज हुई धुरंधर ने अपने पहले तीन हफ़्तों में ही यह साफ कर दिया कि यह एक लंबे समय तक चलने वाली फिल्म है। यह ध्यान देने वाली बात है कि रणवीर सिंह की फिल्म ने चार हफ़्तों में 739 करोड़ रुपये कमाए हैं। बताया जा रहा है कि धुरंधर 250-300 करोड़ रुपये के बजट में बनी है।

इसे रणवीर सिंह के करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना जा रहा है। फिल्म ने भारत में लगातार 28 दिनों तक डबल डिजिट में कमाई करके इतिहास रच दिया। किसी भी दूसरी हिंदी फिल्म ने इतने लंबे समय तक इतनी लगातार रोजाना कमाई नहीं की थी। यही वजह है कि धुरंधर को अब सिर्फ. हिट नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक ब्लॉकबस्टर कहा जा रहा है। फिल्म की रिलीज के पहले दिन से ही इसका मोमेंटम मजबूत था। ओपनिंग वीकेंड में इसमें जबरदस्त उछाल देखा गया, और हफ़्ते के दिनों में भी कमाई की रफ़्तार धीमी नहीं हुई। दूसरे और तीसरे हफ़्ते में सिनेमाघरों में भीड़ ने साबित कर दिया कि फिल्म के बारे में लोगों की राय बहुत अच्छी थी। क्रिटिक्स से मिले-जुले रिव्यू के बावजूद, आम दर्शकों ने फिल्म को दिल खोलकर अपनाया।

धुरंधरः 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म

फिल्म के हिंदी वर्जन ने अब तक भारत में 700 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है, जबकि दुनिया भर में कलेक्शन 1100 करोड़ रुपये के पार हो गया है। यह आंकड़ा धुरंधर को 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनाता है। ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले दिनों में यह फिल्म कई और ऑल-टाइम हिंदी बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड को चुनौती दे सकती है।

धुरंधर की कहानी और असल ज़िंदगी की प्रेरणा धुर ंधर एक भारतीय जासूस की कहानी है जो पाकिस्तान के कराची में अपराध और राजनीति की खतरन ा क दुनिया में घुसपैठ करता है। इसमें 1999 के क्ख-814 हाईजैक, संसद हमले, 26/11 और अन्य भू-राजनीतिक घटनाओं से प्रेरित तत्व शामिल हैं। यही वजह है कि दर्शकों को कहानी में सस्पेंस, इमोशनल गहराई और देशभक्ति का मिश्रण देखने को मिलता है। आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी एक्शन-स्पाई थ्रिलर फिल्म धुरंधर ने न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता, बल्कि बॉक्स ऑफिस पर ऐसे रिकॉर्ड भी बनाए जो पहले किसी हिंदी फिल्म ने हासिल नहीं किए थे। अक्षय खन्ना, आर माधवन, राकेश बेदी, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल जैसे अनुभवी कलाकारों की रणवीर सिंह के साथ स्क्रीन प्रेजेंस फिल्म को और मजबूत बनाती है। कई फिल्ममेकर्स और सितारों ने भी धुरंधर की तारीफ की है। खासकर राम गोपाल वर्मा के बयान ने सोशल मीडिया पर काफी ध्यान खींचा, जिसमें उन्होंने फिल्म को दर्शकों का ध्यान खींचने वाली नहीं, बल्कि उन्हें पूरी तरह से बांध लेने वाली बताया।

धुरंधर एक भारतीय जासूस की कहानी है जो पाकिस्तान के कराची में अपराध और राजनीति की खतरनाक दुनिया में घुसपैठ करता है।